



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 2] तई विल्सो, शनिवार, जनवरी 11, 1986 (पौष 21, 1907)
No. 2] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 11, 1986 (PAUSA 21, 1907)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I—बंद 1—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए संकलनों और अधिकारियों द्वारा देखों के संघर्ष में विभिन्नताएं	5
भाग I—बंद 2—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, परीक्षितायों आदि के संघर्ष में विभिन्नताएं	39
भाग I—बंद 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकलनों और अधिकारियों द्वारा देखों के संघर्ष में विभिन्नताएं	1
भाग I—बंद 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, परीक्षितायों आदि के संघर्ष में विभिन्नताएं	9
भाग II—बंद 1—विधिविधाय, अध्यादेश और विविध	9
भाग II—बंद 1—विधिविधाय, अध्यादेश और विविध	*
भाग II—बंद 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रबंध मिशियों के वितरण दियें	*
भाग II—बंद 3—उप-बंद (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केंद्रीय प्राधिकरणों (संघ वित्त लेन्डों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांख्यिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप का वारेंट और उपविधियाँ जारी भी शामिल हैं)	*
भाग II—बंद 3—उप-बंद (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केंद्रीय प्राधिकरणों (संघ वित्त लेन्डों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांख्यिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप का वारेंट और उपविधियाँ जारी भी शामिल हैं)	*
भाग III—बंद 3—उप-बंद (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें दोनों मंत्रालयों की विभिन्नताएं) और केंद्रीय प्राधिकरणों (संघ वित्त लेन्डों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांख्यिक नियमों और सांख्यिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियों भी शामिल हैं) के वितरी में प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के बंद 3 या बंद 4 में प्रकाशित होते हैं)	*
भाग III—बंद 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांख्यिक विवरण और वारेंट	*
भाग III—बंद 1—उपतात्म व्यायाम, महालेखा इत्यादि, बंद मोक्ष देवा कायोग, रेतवे व्रहाचारी, उच्च व्यायामयों और भारत सरकार के संघर्ष और अधीकरण कार्यालयों द्वारा जारी की गई विभिन्नताएं	821
भाग III—बंद 2—वेटेस प्राधिकृत, कलेक्टर, द्वारा जारी की गयी अधिकृतताएं और नोटिस	17
भाग III—बंद 3—मुख्य आमुक्तों के प्राधिकार के अधीन नवदाता द्वारा जारी की गयी विभिन्नताएं	—
भाग III—बंद 4—विविध विभिन्नताएं जिनमें सांख्यिक विवायों द्वारा जारी की गयी विभिन्नताएं, आदेश, विभाग और नोटिस शामिल हैं	13
भाग IV—नीर-तरकारी व्यक्ति और नीर-तरकारी नियमों द्वारा विकाशन और बोधिस	3
भाग V—प्रेसजी और हिन्दी दोनों में अन्य और मूल्य के आकड़ों की विवाहे द्वारा घटपूरक	*

*दृष्ट दृष्ट दृष्ट प्राप्त नहीं हुई

CONTENTS

PAGES	PAGES
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)	PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) on General Statutory Rules & Statutory Orders (including bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administrations of Union Territories)
5	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence
39	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the Supreme Court, Auditor General, Union Public Service Commission, Railways Administrations, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India
1	821
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta
9	17
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners
*	—
PART II—SECTION 1—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies
*	13
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies
*	3
PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (i)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	PART V—Supplement showing statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi
*	*
PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	
*	

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

(रक्षा भंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के भंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and the Supreme Court]

नियम भंत्रालय (आधिक कार्य विभाग)

नियम

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी, 1986

सं. 11012/3/85-आई० ई० एम०—निम्नलिखित सेवामों में ग्रेड—की रिक्तियों को भरने के लिए 1986 में संच लोक सेवा आयोग द्वारा सी जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जाते हैं—

(1) भारतीय धर्म सेवा, और

(2) भारतीय सांस्कृतिक सेवा

2. परीक्षा परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में बताई जाती है। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्तियों का प्रारम्भ सरकार द्वारा यथा निर्धारित रूप से किया जाएगा।

3. संच लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिवर्तन-1 में निर्धारित ढंग से दी जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा विधीत किए जाते हैं।

4. उम्मीदवारः—

(क) भारत का नागरिक, या

(ख) नेपाल की प्रजा, या

(ग) भूटान की प्रजा

व्यवस्थ ही या

(घ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत में गया था, या

(झ) कोई भारत मूलक व्यक्ति, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, कीनिया, उगांडा, संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार) के पूर्वी अफ्रीकी देशों, जानिया, मालदी, जेरे, स्थियोपिया और वियतनाम से प्रवासन कर आया हो।

परन्तु (घ), (ग), (झ) और (झ) वर्गों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पात्रता (एलिजी-विलीटी) नहीं होती जाहिए।

जिस उम्मीदवार के मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव के बल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया हो।

5. (क) उम्मीदवार के लिए आवश्यक है कि उसकी आयु 1 जनवरी, 1986 को 21 वर्ष पूरी हो किन्तु 26 वर्ष तक हो, अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1960 से पहले और 1 जनवरी, 1965 के बाद का न हो।

(घ) उपर बताई गई अधिकतम आयु सीमा में निम्नलिखित मामलों में छूट ही जाएगी—

(1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक ने अधिक 5 वर्ष।

(2) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित अवित हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रवासन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(3) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जनजाति का हो तथा भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित अवित भी हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रवासन किया हो तो अधिक से अधिक थार्ड वर्ष।

(4) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से वास्तविक या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो, और अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रवासन किया हो तो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष।

(5) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का हो और श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो, तथा अक्टूबर 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रवासन किया हो तो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष।

(6) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पारपत हो), हो और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राज-दूतावास द्वारा जारी किया गया आपात प्रमाण-पत्र है, और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है तो उसके लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(7) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और वियतनाम से वास्तुतः प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो (जिसके पास भारतीय पारपत हो) और ऐसा भी उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राज-दूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण-पत्र हो और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 के बाद भारत आया हो तो उसके लिए अधिक से अधिक थार्ड वर्ष तक।

(8) यदि उम्मीदवार बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवासन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(9) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवासन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

- (10) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अपातिग्रस्त थेने में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किए गए रक्षा कार्मिकों को अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (11) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अपातिग्रस्त थेने में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए ऐसे रक्षा कार्मिकों के लिए, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के हों, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।
- (12) यदि उम्मीदवार भारत मूलक अधिक हो और उसने कीनिया, उगांडा और तंजानिया (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार) संयुक्त गणराज्य से प्रव्रज्ञन किया हो या जांडिया, मालाबी, जेरे और इथियोपिया से प्रस्तावित हों तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (13) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और भारत मूलक वास्तविक प्रस्तावित अधिक हो और कीनिया, उगांडा या तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार) से प्रवासित हो या जांडिया, मालाबी, जेरे और इथियोपिया से भारत मूलक प्रस्तावित अधिक हो, अधिक से अधिक आठ वर्ष।
- (14) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (प्राप्ताकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/प्रलक्षणात्मक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1986 से कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (1) कदाचार या अधमता के प्राधार पर बद्धीस्त न होकर गम्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्य मुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी, 1986 से छ: घण्टीने के अंदर पूरा होना है) (ii) या सैनिक सेवा से हुई शारीरिक प्रसंगता या (iii) प्रशस्तता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं उनके मामले में अधिक से अधिक पांच वर्ष तक।
- (15) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (प्राप्ताकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/प्रलक्षणात्मक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1986 को कम से कम पांच वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (1) कदाचार या अधमता के प्राधार पर बद्धीस्त न होकर गम्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं। इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी, 1986 से छ: घण्टीनों के अंदर पूरा होना है (ii) या सैनिक सेवा से हुई शारीरिक प्रसंगता या (iii) प्रशस्तता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं तथा जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के हैं उनके मामले में अधिक से अधिक दस वर्ष तक।
- (16) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व परिवर्तन का वास्तविक विस्थापित अधिक जो पहली जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 की अवधि के दौरान भारत प्रव्रज्ञन कर चुका या तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।
- (17) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का है और भूतपूर्व परिवर्तन का वास्तविक विस्थापित अधिक भी है जो पहली जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 की अवधि के दौरान भारत प्रव्रज्ञन कर चुका या तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।
- (18) यदि कोई उम्मीदवार पहली जनवरी, 1980 से 15 अगस्त, 1985 तक की अवधि के दौरान साधारणतः असम राज्य में रहा हो, तो अधिक से अधिक 6 वर्ष तक।

(19) यदि कोई उम्मीदवार अनुसूचित जाति प्रथमा अनुसूचित जनजाति का हो और पहली जनवरी, 1980 से 15 अगस्त, 1985 तक की अवधि के दौरान साधारणतः असम राज्य में रहा हो, तो अधिक से अधिक चार वर्ष तक।

टिप्पणी:—भूतपूर्व सैनिक जिन्होंने अपने पुनर्रोक्त रोकार इत्य भूतपूर्व सैनिकों को दिए जाने वाले लाभों को लेने के बावजूद सिविल थेन में सरकारी नौकरी पढ़ते ही ले ली है, ये नियमावली के नियम 5 (ब) (14) और 5 (ब)

(15) के अधीन आयु सीमा में छूट के लिए पापा नहीं है।

उपर दी गई व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती।

6. भारतीय अर्थ सेवा के लिये उम्मीदवार के पास केन्द्र या राज्य विद्यान मंड़त के अधिनियम द्वारा नियमित किसी विश्व विद्यालय की या संसद के अधिनियम, 1956 द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनदान आयोग अधिनियम, 1956 की द्वारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मान्य किसी अन्य शिक्षा संस्थाओं की अवैश्वास्त्र या मान्यकी विषय सहित इधरी हीनी चाहिए और भारतीय गांधियकी सेवा के लिए उम्मीदवारों के पास साधिकीय या गणित या अवैश्वास्त्र महिल द्वितीय आयोग उसके समकक्ष योग्यता हीनी चाहिए।

टिप्पणी I : यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है किसी भी उसे परीक्षा परिणाम की सूचना न मिली हो तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में बैठने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो, वह भी आवेदन कर सकता है। यदि ऐसे उम्मीदवार गम्य शर्त पूरी करते हैं, तो उन्हें इस परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की अनुमति अनन्तिम भांती जाएगी और यदि के अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और दर हालत में 30 सितंबर, 1986 तक प्रस्तुत नहीं करते हों तो यह अनुमति रह जाएगी है।

टिप्पणी II : विशेष परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश के योग्य माना जा सकता है जिसके पास पूर्णत योग्यताओं में से कोई भी योग्यता न हो ही बरतें कि उस उम्मीदवार ने अस्य संस्थाओं द्वारा संचालित कोई ऐसी परीक्षाएं उत्तीर्ण की हों, जिनके स्वरूप को देखते हुए आयोग उसको परीक्षा में प्रवेश देना उचित समझे।

टिप्पणी III : यदि कोई उम्मीदवार अस्याया अद्वा प्राप्त हो, किन्तु उसने किसी विदेशी विश्वविद्यालय से इधरी प्राप्त की हो तो वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और आयोग यदि उचित समझ तो उसे परीक्षा में प्रवेश देना होता है।

7. उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के परा 6 में निर्धारित फीस अवैश्य देनी होगी।

8. सभी उम्मीदवार जो सरकारी नौकरी में आकर्षित या ऐनिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या अस्थायी हसियत से या काय-प्रभारित कर्मचारियों की दैत्यत से काम कर रहे हैं अधवा जा गरकारा उद्धारा में कार्यरत हैं उन्हें यह परिवर्तन (ब्रेकर्टेकिंग) प्रस्तुत करता होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यविधान/योग्यता के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने ८१ परीक्षा के लिए योग्यता दिया है।

उम्मीदवारों की घ्यात रखना आहिए कि भद्र आयोग को उनके नयोनता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करते परीक्षा में बैठने तक समर्थ अनुमति दी जाएगी। यह आवेदन पत्र मिलना है तो उनका आवेदन पत्र प्रस्तुति/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

9. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पालता या अपालता के बारे में आयोग का निर्णय अनिवार्य होगा।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठें दिया जाएगा जब तक उसके पास आपोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट ऑफ एम्बीशन) न हो।

11. जिस उम्मीदवार ने

- (i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया हो, अथवा

(ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा

(iii) किसी भूत्य अनित से छद्म रूप से कार्य साधन कराया है, अथवा

(iv) जाली प्रलोख या ऐसे प्रलोख किए हैं जिनमें तथ्यों में फेर-बदल किया गया हो, अथवा

(v) गलत या शुभे वक्तव्य दिए हैं या किसी महसूपूर्ण तथ्य को छुपाया हो, अथवा

(vi) परीक्षा में उम्मीदवारी के सम्बन्ध में किसी भूत्य अनितिमित, अथवा अनुसूचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा

(vii) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, अथवा

(viii) उत्तर पुस्तकों पर असंगत वातं स्थिर हों जो अस्तीति भाषा में या अभिक्रमण की हों, अथवा

(ix) परीक्षा भवत में और किसी प्रकार का कुर्ध्वबद्धार किया हो, अथवा

(x) परीक्षा अलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या भूत्य पकार को शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, अथवा

(xi) उम्मीदवारों को ऐसे गए परीक्षा की अनुमति विषयक प्रयोग-पदों के साथ जारी अनुदेशों का उल्लंघन किया है, अथवा

(xii) पूर्वोक्त अपेक्षाओं में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्यों को करने या करने के लिए अप्रेसिट करने का प्रयास किया हो, तो उस पर आपराधिक अधियोग (किनिनल प्रासीक्यूशन) अलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे :—

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा में जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए आयोग ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) उसे स्वायी रूप अथवा एक अधिकार अवधि के लिए

(i) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन से

(ii) केवलीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से अपरेक्षित किया जा सकता है, और

(ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही लेता है तो उसके बिना उपर्युक्त मियमों के अधीन अनुशासनिक कार्रवाई की जा सकती है।

किस्त यात्रा मह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक सही नी जाएगी जब तक :-

- (i) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित अस्यावेदन, जो वह देना आहे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो; और

(ii) उम्मीदवार द्वारा अनुमत तपाख में प्रस्तुत अस्यावेदन पर, यदि कोणी द्विवार तक लिखा गया हो

12. जो हम्मीदबार लिखित परीक्षा में उतने न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेगा जितने मायोग अपने तिर्णय से निश्चित करें तो उसे मायोग अनित्य परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाएगा ।

फिन्तु यात्र यह है कि यदि आयोग के मतानुसार अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों इन जातियों के लिए प्रारब्धित रिक्तियों को भरते के लिए मामान्य स्तर के आधार पर पर्याप्त संख्या में व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाए जा सकेंगे तो आयोग द्वारा स्तर में बीम देकर अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों को व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जा सकता है।

13. परीक्षा के बाद, आयोग उम्मीदवारों के द्वारा प्रसिद्ध रूप से प्राप्त कुल अंकों के आधार पर, योग्यता क्रम से उनकी सूची बनाएगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों में से जिसने लोगों के आयोग परीक्षा के आधार पर योग्य समझेगा उनको इन रिक्तियों पर नियुक्त करने के लिए अनुरूपता की जाएगी। इक्षु परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिसी अनारक्षित रिक्तियों को भरने का निणय किया जाता है ये नियुक्तियाँ उनको देखकर होंगी।

परन्तु यदि मामाय स्तर से अनुच्छित जातियों और अनुच्छित जन जातियों के लिए प्रारक्षित रिक्षियों की संख्या तक अनुच्छित जातियों अथवा अनुच्छित जन जातियों के उम्मीदवार नहीं लिए जा सकते हों तो उनके प्रारक्षित कोटा में कमी को पूर्ण करने के लिए प्रयोग द्वारा स्तर में छूट देकर, जाहे परीक्षा योग्यता त्रैम में उनका कोई भी स्थान क्यों न हो, नियुक्ति के लिए उनकी मनुष्यसा की जा सकेगी, अशर्त कि ये उम्मीदवार इस सेवा पर नियक्ति के उपयोग हों।

14. प्रत्येक उम्मीदवार की परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग द्वारा करेगा, आयोग परीक्षाफल के बारे में किसी भी उम्मीदवार से प्रबाधार नहीं करेगा।

15. यदि कोई उम्मीदवार दोनों सेपांचों के लिए प्रतियोगिता परीक्षा में बैठ रहा हो तो उम्मीदवार द्वारा अपना आवेदन-पत्र देते समय अप्रतियोगी द्वारा उस पर लिखित रूप से विवार किया जाएगा।

जिन सेवाओं के लिए उम्मीदवार विचार किए जाने के इच्छुक वे उन सेवाओं के लिए उनके द्वारा दर्शए गए वरीयता तम में परिवर्तन से संबंध किसी भी अनुरोध को तब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा जब तक ऐसा अनुरोध लिखित परीक्षा के परिणामों की "रोजगार समाचार" में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के भीतर संबंध सोक सेवा प्रायोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता।

16. परीक्षा में पास हो जाने से नियुक्ति का प्रक्रियारूप तक नहीं मिलता, जब तक कि सरकार आवश्यक जाँच के बावजूद न हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्ववृन्द की दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिए उपकार से योग्य है।

17. उम्मीदवार को मानसिक और भारीरिक वृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा जारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जिससे संबंधित सेवा के व्यवधाकारी के रूप में अपने कर्तव्य को कुशलतापूर्वक न निभा सके। यदि सरकार या नियुक्ति प्राप्तिकारी, जैसी भी हिति हो, द्वारा नियुक्ति डाक्टरी परीक्षा के दौरान किसी उम्मीदवार के बारे में यह पाया जाए कि वह इन प्रोफेशन को पूरी तरीं कर सकता तो नियुक्ति नहीं की जाए। अविकरण परीक्षण के लिए शायोग द्वारा शुल्क एवं उम्मीदवारों की स्वास्थ्य परीक्षा करायी जा सकती है।

टिप्पणी :— कहीं निराश न थीं ना पड़े इसनिए उम्मीदवारों को सधाह दी जानी है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए शारेवत-पन्न भेजने से पहले सिद्धान्त सर्जन के सार के किसी सरकारी विद्यालय श्रिविकारी से अपनी जांच करवा लें। तिथुराजन से पहले उम्मीदवार की किस प्रकार की डाकटी जाती है और उसके स्वामूल का सबर किस प्रकार की होती जाती है।

इसके बादे इन विधियों के परिवर्तन-III में दिया गया है। रक्षा सेवाओं के वस्तुपूर्व विकलांग हुए तथा उसके फलस्वरूप निम्नलिखित हुए सेविकों को भेदभावों की आवश्यकताओं के अनुरूप डाक्टरी जांच के स्तर में दी जाएगी।

18. जिस व्यक्ति ने

(क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह का अनुबंध किया हो, जिसका पहले जीवित पति/पत्नी हो, या

(ख) जीवित पति/पत्नी के रहने हुए, किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह का अनुबंध किया है, तो यह उक्त सेवा में नियुक्ति के लिए पाल्प नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केंद्रीय भरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति न्याय विवाह के तूसे पक्ष पर लागे होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छुट दे सकती है।

19. इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं के भवन में भर्ती की जा रही है उनका संक्षिप्त विवरण परिवर्तन में दिया गया है।

धौ० सुक्रामणियन, निदेशक

परिवर्तन I

यह परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार संचालित होगी।

भाग I—नोंच दिखाए गए विषयों में एक क्षितिज परीक्षा जिसके पूर्णांक 900 होंगे।

भाग I—शायोग द्वारा जिन उम्मीदवारों को बुलाया जाता है, उनके लिए मौद्रिक परीक्षा इस परिवर्तन की अनुसूची का भाग (क) वैयिक जिसके पूर्णांक 250 होंगे।

2. भाग I के अनुसार लिखित परीक्षा में सम्मिलित विषय प्रारंभिक विषय के प्रश्न-पत्र के लिए निर्धारित पूर्णांक और समय का विवरण इस प्रकार है—

क्रम सं०	विषय	फोड सं०	प्रारंभिकतम अंक	विद्या ग्रन्थ समय
1	2	3	4	5

क. भारतीय धर्म सेवा

1. सामान्य धर्मेजी	01	150	3 घंटे	
2. सामान्य अध्ययन	02	150	3 घंटे	
3. सामान्य धर्मशास्त्र—I		200		
भाग—I	03	50 अंक 1 घंटा		
भाग—II	04	150 अंक 2 घंटे	3 घंटे	
4. सामान्य धर्मशास्त्र—II		200		
भाग—I	05	50 अंक 1 घंटा		
भाग—II	06	150 अंक 2 घंटे	3 घंटे	
5. भारतीय धर्मशास्त्र		200		
भाग—I	07	50 अंक 1 घंटा		
भाग—II	08	150 अंक 2 घंटे	3 घंटे	

विशेष ध्यान—उपर्युक्त क्रम सं० 3 से 5 तक के विषयों के प्रश्न-पत्रों के मामले में यदि कोई उम्मीदवार निर्धारित समय के भीतर परीक्षा भवन में नहीं पहुंचता है और प्रश्न-पत्र के भाग की परीक्षा में प्रवेश नहीं ले पाता है तो वह उक्त प्रश्न-पत्र के भाग में प्रवेश का पाल नहीं होगा।

(ब) भारतीय सांस्कृतिक सेवा

1. सामान्य धर्मेजी	01	150	3 घंटे
2. सामान्य अध्ययन	02	150	3 घंटे
3. सांस्कृतिक I	09	200	3 घंटे
4. सांस्कृतिक II	10	200	3 घंटे
5. सांस्कृतिक III	11	200	3 घंटे

टिप्पणी—सामान्य धर्मेजी सामान्य अध्ययन विषयों पर प्रश्न-पत्र में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जाएंगे।

टिप्पणी I—भारतीय धर्म सेवा के उपर्युक्त क्रमांक 3 से 5 के विषयों से संबंधित प्रश्न-पत्र के भाग में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जाएंगे और इन विषयों के प्रश्न-पत्रों के भाग में संबंधित उक्त और निवारण वाले प्रश्न पूछे जाएंगे।

टिप्पणी II—भारतीय सांस्कृतिक सेवा के क्रमांक 3 से 4 विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जाएंगे और क्रमांक 5 से संबंधित प्रश्न-पत्र में निवारण वाला प्रश्न पूछा जाएगा।

नोट V धर्म विवरण के लिए जिसमें विभिन्न विषयों के प्रश्न-पत्रों में पूछे जाने वाले वस्तुपूरक प्रश्न भी शामिल हैं, नोटिस के अनुबंध II पर उम्मीदवारों की सूचनार्थी विवरणिका वैयिक।

नोट—उपर्युक्त विषयों के स्तर और पाठ्यक्रम इस परिवर्तन की अनुसूची के भाग 'क' में दिए गए हैं।

3. सभी प्रश्न-पत्रों के उत्तर धर्मेजी में लिखने चाहिए। प्रश्न-पत्र केवल धर्मेजी में होंगे।

4. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर धर्पते हाथ से लिखने होंगे। उन्हें विसी भी हालात में उत्तर लिखने के लिए निम्न अन्य व्यक्तियों के सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

5. शायोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अद्वैत अंक निर्धारित कर रक्ता है।

6. यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से पहने लायक न हो तो उसको मिलने वाले कुछ अंकों में से कुछ काट लिए जाएंगे।

7. केवल सतही ज्ञान के लिए कोई अंक नहीं दिए जाएंगे।

8. कम से कम शब्दों में सुन्दरवासित, प्रभावशाली और सही रूप से की गई असिव्यज्ञना को श्रेष्ठ दिया जाएगा।

9. प्रश्न-पत्रों में जहां आवश्यक हो तो लांबी और मापों की केवल मौद्रिक प्रणाली से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे।

10. उम्मीदवारों को परंपारागत (निर्बन्धात्मक) प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए बैटरी से चलने वाले पारेंट कैलकुलेटर परीक्षा भवन में लाने और उनका प्रयोग करने की अनुमति है। परीक्षा भवन में किसी से कैलकुलेटर मांगने या आपस में बदलने की अनुमति नहीं है।

यह ध्यान रखना भी आवश्यक है कि उम्मीदवार वस्तुपूरक प्रश्न-पत्र (परीक्षा पुस्तिका) का उत्तर देने के लिए कैलकुलेटरों का प्रयोग नहीं कर सकते। अतः वे इन परीक्षा भवन में न आएं।

11. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर लिखने समय भारतीय धर्मों के अंतर्भूतीय रूप (प्रथांत 1, 2, 3, 4, 5, 6 मादि) का ही प्रयोग करना चाहिए।

अनुसूचित भाग 'क'

सामान्य धर्मेजी और ज्ञानान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्र किसी भारतीय विश्वविद्यालय के येजुएट से अपेक्षित स्तर के होंगे। अन्य विषयों के प्रश्न-पत्र संबंधित विषयों में किसी भारतीय विश्वविद्यालय की मास्टर डिप्लोमा परीक्षा के समकक्ष होंगे। उम्मीदवार से यह अपेक्षा की जाती है कि वे सिद्धांतों की तर्फों के आधार पर स्पष्ट करें और मिडॉन की सहायता से समस्पादों का विश्लेषण करें। अर्जशास्त्र और सांस्कृतिकों के अन्तर्गत (सेवियों) में उनसे आशा की जाती है कि वे भारतीय समस्याओं से विशेष रूप से परिचित हों।

सामान्य अधिकारी (कोड सं. 1)

प्रश्न इस प्रकार पूछे जाएंगे जिससे उम्मीदवारों को अपेक्षी समझने और अंग्रेजी शब्दों का कुशल प्रयोग करने की अपेक्षा की जावाही भक्ति।

सामान्य अधिकारी (कोड सं. 2)

सामान्य अधिकारी के प्रश्न-पत्र में वर्तमान प्रश्नकरन जा जानेवाली होती और कुछ तेज़ी साथ से भी ताकि आ दैरित नियोजन और अनुच्छेद से संबंधित और जिनको विज्ञानिक दृष्टिकोण से एवं वडा-विज्ञानादारी समझ सकता है। इस प्रश्न-पत्र के तारा के दैरित और भीतर से संबंधित प्रश्न भी इसी जितना सार उत्तर दिए जारी हो जाएंगे इसी सम्बन्धित बाबार दें सके।

सामान्य अधिकारी (भाग 1 के लिए कोड सं. 3)

प्रौढ़ भाग 1 के लिए (04)

उपचोदात की मांग का मिलान भव्यता वश, विवेश्वर पहुँच अधिकारी का अधिकारी।

उत्पादन का सिद्धांत, उत्पादन के तत्व, उत्पादन कृषि, प्रतिकल के नियम, प्रतिष्ठान और उत्पादन का संतुलन।

मूल्य का मिलात विषयन अवस्था के विषयक रूपों में वृक्ष निर्वाचन सार्वजनिक उपयोगिता मूल्यन।

वितरण का सिद्धांत : उत्पादन के तत्वों का मूल्यन, भाइया मञ्चवारी और लाभ के मिलान, विश्वान वितरण नियान, संतुलन समझना आवश्यक वितरण में अपमानताएं।

कृष्णांशु मूलक अधिकारी : प्रार्थीन और नवीन कल्याण मूलक अधिकारी, अतिपूर्ण, नियम, अस्तिमूलक अधिकारी।

राष्ट्रीय भाष्य की अवधारण : सामाजिक लेखा, नियोजन का मिलान निषेध और मुद्रासक्ति, शास्त्रीय और नवशास्त्रीय अभिगमन नियोजन के बारे में कीन्त का सिद्धांत और कीन्त के बाबत की गणितियां।

सामान्य अधिकारी (भाग 1 के लिए कोड सं. 5)

05 प्रौढ़ (भाग 1 के लिए 06)

आधिक विकास की अवधारणा और उत्तर का भावन-विकास के मिलान विकासशील देशों के लक्षण और उनकी समझाएं। जनसंख्या, वृद्धि और आधिक विकास।

आधिकारी ; अवधारणा और गद्दाताओं :—आधिक भाग 1 को दूजों वाली और समाजवादी प्रणालियों के अन्तर्गत आपान्ता नियमित एवं अवधारणा अंतर्गत, परिदृश्यात्मक आधीनत, क्षेत्रीय आधीनत, विवेश्वर के विवरण और प्रविष्टियों का वर्णन।

अन्तर्राष्ट्रीय अधिकारी : अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के विवाह, व्यापार में आवश्यक और उत्पादन की शर्तें व्यापार नीति, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रौढ़ अधिकार व्यापार प्रौढ़ के सिद्धांत।

मुगलान संतुलन : मुगलान संतुलन में अपमानताएं नमज्ञन की प्रक्रिया विवेश्वर व्यापार, विनियम की दर्द, आवान और नियम नियंत्रण।

भाईयोजन और अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रण सुधार : भाईयोजन के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहायता, आई० वो० आर० डॉ० और उसके अनुबंध।

भूमि : उसका मूल्य और प्रयोजन, मुद्रा नीति, कैपिय और व्याणिक्य देंकों के कार्य।

राजवित्तीय नीति और उसके लक्ष्य, कराधान और अप्त ने सिद्धांत सार्वजनिक व्यवहार के लक्ष्य और परिणाम, कराधान का प्रभाव, और वटवाटे की वितरण व्यवस्था, सार्वजनिक हाथ का विवरण।

अधिकारी : सार्वजनिक का प्रयोग, सार्वजनिक आवान प्रौढ़ विचारन के माप और परिणामों के मूलांकन उपरोक्त उपरोक्त वातावरण।

भारतीय अधिकारी (भाग 1 के लिए कोड सं. 7)

सं. 07 और भाग 1 के लिए 08)

भारतीय अधिकारी के दुनियादी सशान-विकास तंत्रज्ञानी प्रौढ़ और उम्मीदवार की भूमिकासहस्रनित विकास की अवधारणा।

आधोजन : उत्तरव्य, प्राथमिकताएं और समझाएं—जंचवर्तीय व्यवस्थाएं—साधन संपादन की समझ।

कृषि : नया कृषि तंत्र—सूनवंश और भू मुधार—देहांतो नाथ विवाह और उद्योगों का स्थान—कृषि विषयन—कृषि उत्पादों के मूल्य—फसल व्यायोजन—सामुदायिक विकास—उपजीविका और प्रामोद्याप।

सहकारिता : ग्रामीण विकास में इनका स्वातन्त्र्य—भारत में महाराष्ट्र और दीवालीन का विकास।

उत्तोग : ग्रौद्योगिक विकास का अधूरा—स्थान निर्देश की परवाना—प्रौढ़कार और लघु उद्योगों की समझाएं—ग्रौद्योगिक नीति—ग्रौद्योगिक संपदाएं—ग्रौद्योगिक वित्त के संमाधन—विवेशी पूँजी की भूमिका—सार्वजनिक उद्योग : संगठन, प्रबन्ध नियंत्रण और समर्थनीयता, मूल्य नीति।

अम : रोजगार, बेरोजगारी और कम रोजगारी—ग्रौदोगिन तंचव्य और अम कल्याण—अम नीति—मजदूरी, मूल्य और आय नीति।

विवेशी व्यापार : भारत के विवेशी व्यापार की प्रमुख विवेषताएं—विवेशी व्यापार नीति—राज्य व्यापार—मुगलतान सम्बुद्धन।

मुद्रा और ईकिंग : भारतीय मुद्रा विषयन का संगठन—व्याणिक्य देंकों और भारतीय ईकिंग देंकों की कार्यप्रणाली—मुद्रा नीति।

सार्वजनिक वित्त : वित्तीय नीति—सार्वजनिक व्यवहार की वृद्धि—कराधान नीति—संघ और राज्य संकरणों के लिए राजस्व के प्रमुख खोत—सार्वजनिक शृणु नीति—घाटे को वितरण व्यवस्था—संघ और राज्य के बीच वित्तीय संबंध।

सांख्यिकी—1 (कोड सं. 9)

जोट : केवल कृस्तुप्रकर (कृस्तुप्रकरण) प्रकार के प्रश्न पूछे जाएंगे

(प्रायिकता (40 प्रतिशत प्रश्नान्वता) माप सिद्धांत के तत्व—प्रसंकुप्रतिशास्त्र और स्थवर सिद्ध प्रमितान—प्रतिवर्ष अधिकार संकुल सौर सकल-सार्वजनिकता के नियम—घटनाओं की प्रायिकता—प्रतिबंधित प्रायिकता—बेयर्स का बेयर्स—प्रसंयोगिता वितरण—वितरण और अवितरण—वितरण कार्य—मानक प्रायिकता वितरण—बरनीली, समरूप, द्विपदीय, ताइमन, ज्यामितीय, प्रायत्न, धृतीय सामान्य, काढी, पराज्याहृ, मितीय, अद्वृपदीय, साल्वेच, अण्डाकृतीय, बीटा, गामा, लघुसामान्य तथा संकुलित पाइसन वितरण—प्रभिसरण, वितरण में प्रायिकता एक के साथ और याइयर वर्ग में—ग्रामीन और संचायक-गणितीय प्रयोग और प्रतिबंध प्रयोग—लक्षणात्मक प्रश्न और आधूर्य तथा प्रायिकता जनक कलन—विलोम विलक्षणता और सात सिद्धांत—देकेवाइचेंक और कोलमोंगोराव असमन्वय—शहूतसंख्या नियम और स्थवर विचारणों के लिए केवलीय सीधा गिराव।

सांख्यिकीय पद्धतियां (45 प्रतिशत प्रश्नान्वता)

तथ्यों का संग्रह, संकलन और प्रस्तुतीकरण—चाटे, ज्यामास और द्विस्तोप्राम—आवृत्ति वितरण—निर्देशन, विकास और विषमता का माप दिवचर और छहचर तथ्य—साहृदय और आसंग—वक्र रामजन और नाविक शृणुपद—द्विवचर वितरण—द्विवचर सामान्य वितरण गणितीय रेखीय शहूपदीय—संकुलवंश गुणों का वितरण—प्रायिक और वहून महसंबंध अंतर्गत तद्दंपत्य—नद्दमंपत्य अवधारण।

मानक वृद्धियों और वहून प्रतिशत—प्रतीक्षण प्रतिशत वितरण s, t, x, वर्ग और—क—हृन पर आधारित प्रमुख नापश्चण—रेण-परायमितीय परोक्षान—साइन, मीडियम, रेन, विलोम, संकुलिती, वाल्क वृक्षोंचिह्न, आर्सि—वर्गीयता क्रम सांख्यिकी—प्रतिवनम, प्रधिकरण, रेण और मीडियम।

प्राकड़ों का विशेषण (15 प्रतिशत प्रधानता)

लाग रेज, म्यूटन-डेगरी म्यूटन (विभाजित इंसर), गाम और स्टेलिंग पर प्रचिलिंग आकार्डेशन सूक्त (योग संभावना महित),—यूलर मस्लाइन का—मैकलन सूक्त—विलोम अंतर्वेमन—आंकड़ों का समाकलन और अंतर्वेमन—प्रधम गुणांक का विशेष समीकरण—स्थिर गुणकों के साथ एक चातीय विशेष अंकरण—

मालिकी—II (कोड सं. 0)

नोट:—केवल बस्तुपरक (श्रृंखला विशेषण) प्रकार के प्रश्न पूछे जाएं।

एकाधानीय प्रतिशत (25 प्रतिशत प्रधानता)

एक चातीय आकलन का मिहान—गाम मार्किंग प्रतिश्टान—कनिष्ठ वर्ग आकलन—जी—विलोम का प्रयोग—एक तरफा और दो तरफा गणी-कृत स्थिर का विशेषण—निश्चित, मिश्रित और यादान्तरिक प्रधाव वाले प्रतिशत—समाक्षण गुणकों के लिए परीक्षण—

आकलन (25 प्रतिशत प्रधानता)

ग्राम आकलन के लक्षण—प्रत्यक्षिक संभावना, कनिष्ठ वर्ग आधुनिक और कनिष्ठ वर्गों की आकलन पद्धतियाँ—प्रत्यक्षिक संभावना आकलन—केवल राष्ट्र असमनता—भट्टाचार्य परिसीमाएँ—पर्यात आकलन गुणत इंसर प्रभेय—सम्पूर्ण आंकड़े—राष्ट्र—बलकालेल प्रभेय—विश्वास ग्रंथिकाल आकलन—इंसरतम विश्वास परिसीमाएँ।

परिकल्पना परीक्षण (25 प्रतिशत प्रधानता)

सरल और जटिल परिकल्पना—दो प्रकार की दृष्टियाँ—क्रांतिक लेन—विभिन्न प्रकार के क्रांतिक लेन—धारु कलन—प्रत्यक्षिक संभावना आकलन—समान रूप से अन्यतन प्रभावशाली परीक्षण—नेमन, परिसन आधार-सूत—प्रतिशत परीक्षण—स्पालीय लाक परीक्षण—संभावना अनुपात परीक्षण—बाल्ड का SPRT-OC- और ASN [कलन—नियंत्रण के प्राक्तिक तर्फ और खेल मिहान।

बहुचर विशेषण (25 प्रतिशत प्रधानता)

बहुचर सामान्य वितरण—मध्य प्रभावक का आकलन और सहारिता इंसर—हाटेलिंग का स्थानिक—महजनताविम का

स्थानिक—बहुचर सामान्य जनसंख्या के प्रतिदर्श में धार्शिक और बहुल सहस्रंशंखण्ड—विश्वास का वितरण उमका प्रतिरूपण: तमक और अन्य स्थानांश—विलक्षण का नियंत्रण—विवेचनात्मक प्रश्न—प्रश्न घटक—नियमा-मुद्रार विचर और महसूंसंबंध

मालिकी—III (कोड सं. 11)

नोट:—केवल निवेद शैली के प्रश्न पूछे जाएं। जिनमें सूचीय और जटिल प्रकल्पण आवश्यक नहीं।

भाग 'क' (सब के लिए अनिवार्य)

प्रतिदर्श विधियाँ (35 प्रतिशत प्रधानता)

जनगणना अनुमान प्रतिदर्श योजना—प्रारंभिक और विस्तृत प्रतिदर्श संबंधित—प्रतिस्थापन के माथ या उमके बिना मरल या ईच्छिक प्रतिक्षयन और प्रतिदर्श सांख्यन—जागत और वितरण फलन—आकलन की आनुपातिक और समाक्षणीय पद्धतियाँ—आकार के समानुपात में प्रायिकता संरक्षित प्रतिक्षयन—संकुल हुदरा बहुरूपी बहुसंखीय और अधिकृत प्रतिक्षयन प्रतिक्षयन—अंत अंत अंत प्रतिक्षयन—प्रतिक्षयनेसर दृष्टियाँ।

अर्थ सांखिकी (25 प्रतिशत प्रधानता)

मध्य श्रेणी के घटक—उनके नियंत्रण की विधियाँ—वितरण विशेष पद्धति—बहुल स्लस्की इमार—सहस्रंशंख विलोम—प्रधम और द्वितीय त्रिम के रवय समाक्षणीय प्रतिदर्श—समावधि विलोम का विशेषण—मध्य और परिणामों के मूलकांक और उनके मापेक गुण—घोक और खदान संघों के मूलकांक की रचना—प्राय वितरण—परिणामों और इंगेल वक्र—एकायना वक्र—राष्ट्रीय प्राय का आकलन करने की प्रदर्शियाँ—खदानर प्रवाह—अन्तर्राष्ट्रीयिक नामिका।

भाग (ख)

उम्मीदवारों को निम्नांकित विधयों में से किसी भी विधय पर प्रश्नों के उत्तर देने का विकल्प है।

(i) मालिकीय गुण नियंत्रण और परिचालन अनुसंधान (40 प्रतिशत प्रधानता)

विचरों और गुणों के लिए विभिन्न प्रकार के नियंत्रक चिक्क—गुणों के द्वारा स्वीकृति प्रतिचयन—एकल द्वंदव बहुल और अंतर्लाम्सक प्रतिचयन योजनाएँ।

OC और ASN—एलन- AOQL और AT की I धारणा—विचर के द्वारा स्वीकृति प्रतिचयन—डाइज रोमिक और अन्य नामिकाओं का प्रयोग।

परिचालन अनुसंधान का अभियम—रेक्षांगत कार्यांपतन के प्रावधिक तत्व—सिलेक्स प्रतिया—परिवहन और नियोजन सम्पाद्य—हृद्वासम्बन्ध का नियम—एकल और बहुल आब्दिक सूची नियंत्रण के नमूने विश्लेषण रेखा प्रतिदर्श के लक्षण—M/M ABLLC नमूने गाम नक्सी की समस्याएँ—नष्ट या जीन होने वाले तत्वों के प्रतिस्थापन के नमूने।

(ii) जनकिकी और अन्य-मरण आंकड़े (40 प्रतिशत प्रधानता)

जीवन-तालिका, उसका नियमि और लक्षण—मेन्हम और गामपद्दस बक—राष्ट्रीय जीवन तालिकाएँ—राष्ट्री संघ की जीवन तालिकाओं के नमूने—संक्षिप्त जीवन तालिकाएँ—स्थिर और स्थायी जनसंख्या—विभिन्न जन्म गतियाँ—कुल प्रजनन गतियाँ—कुल और निवाल उत्पादन गतियाँ—विभिन्न भरण गतियाँ—मानकोड़त भरण गति—आंतरिक और अंतर्राष्ट्रीय प्रजनन—निवाल प्रवर्जन अंतर्राष्ट्रीय और जनगणनों और आकलन—वृद्धि, जाती वक्र संज्ञम सहित प्रज्ञेय विधियाँ—भारत में धाराव्यीय जनगणना।

(iii) प्रयोग रूप कल्पना और विशेषण (40 प्रतिशत प्रधानता)

प्रयोग रूप कल्पना के नियम—पूर्णरूप से या दृच्छिक बनाए गए यादृच्छिक बने और रैटिंग जोके अभिकल्पों का विश्वास और विशेषण—कलगणित प्रयोग और 23 और 33 प्रयोगों में संभव—खंड और उपखंड अभिकल्प—संहुलित और अद्वैत संहुलित भरण वर्ग प्रमिक्षितों की रक्षा और विशेषण—संहुलित भरण विशेषण का विशेषण—लांविकेतर तथ्यों का विशेषण लुभत और मिश्रित अंगुह के तथ्यों का विशेषण।

(iv) पर्वतीति (40 प्रतिशत प्रधानता)

उपजोड़ता मांग का नियम और विशेषण—मांग कलन का विशिष्टी-करण और आकलन—मांग की स्लोक—संरक्षन। और समूना—एकल समाक्षणीय प्रतिदर्श में प्राचलों का आकलन—परपरागत असमत वर्ग, साधारणीकृत अस्तवतम वर्ग—विप्रवेष्यना क्रमांगत महसूंबंध—बहुल समरेक्षिता—विचार प्रतिदर्श में दृष्टियाँ—समकालिक समीकरण प्रतिदर्श—तदात्मकता, घरीयता क्रम और क्रमण परिस्थितियाँ—परीक्षा अल्पतम वर्ग और दो स्तरीय अल्पतम वर्ग—अल्पकालिक आर्थिक मविष्य कथन।

भाग ख

मालिकीय परीक्षण

उम्मीदवारों को मालाकार सुयोग और निष्पक्ष विद्वानों के द्वारा किया जाएगा जिनके सामने उम्मीदवार का सर्वांगीण जीवनवृत होगा। साक्षात्कार का उद्देश्य यह है कि इस सेवा के लिए व्यक्ति को दृष्टि से उम्मीदवार उपयुक्त है अथवा नहीं। उम्मीदवारों से प्राप्ता की जाएगी कि वे केवल अपने विश्वासन के विशेष विधयों में ही सूक्ष्म-वृक्ष के साथ रूपि न लेते हैं, प्रपितु उन घटनाओं में भी रूपि लेते ही, जो उनके घारों और अपने घरेय या देश के भीतर और बाहर घट रही है तथा आंशिक विचारणाओं और उन नई खंडों में रूपि ले जिनके प्रति एक सुशिक्षित व्यक्ति में जिनमी उत्पन्न होती है।

साक्षात्कार महज जिरह की प्रक्रिया नहीं, प्रपितु स्वाभाविक निदेशन और प्रयोजन सुखल वालीलाप की प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों के मानविक गुणों और सबस्थानों को समझने की व्यक्ति की प्रमित्यका

करना है। बोहूं द्वारा उम्मीदवारों की मानविक सतर्कता, प्रासोचनात्मक प्रेहन शक्ति, संतुलित निर्णय और मानविक सतर्कता, सामरिक संगठन की योग्यता, चारिकारिक ईमानदारी, नेतृत्व की पहल और क्षमता के मूल्यांकन पर विशेष व्यवस्था दिया जाएगा।

परिणाम—II

इस प्रीक्षा के द्वारा जिन सेवाओं में भर्ती की जा रही है, उनका संक्षिप्त व्योरा :

1. जो उम्मीदवार दोनों में से किसी भी सेवा के लिए सकल हुए। उनकी नियुक्ति उस सेवा के ग्रेड-4 में परिवीक्षा के आधार पर की जाएगी। जिसकी अवधि दो वर्ष होगी और इस अवधि को अवाया भी जा सकता है। सफल उम्मीदवारों की परिवीक्षा की अवधि में सारन सरकार के नियंत्रण-मासार नियंत्रित प्रशिक्षण या पाठ्यक्रम और शिक्षण तथा परीक्षा पास करनी होती।

2. यदि सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन श्रियकारी का तावं या आचरण संतोषजनक नहीं या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशलता की संभावना नहीं, तो सरकार उसे स्तक्ष सेवामुक्त कर सकती है।

3. परिवीक्षा की अवधि या उसकी बढ़ाई हुई अवधि की समाप्ति पर यदि सरकार की राय में उम्मीदवार स्थायी नियुक्ति के लिए योग्य नहीं हो गए तो उसे योग्य स्थायी पदों में सौनिक रिक्तियां उपलब्ध होने पर पक्का कर दिया जाएगा।

4. यदि सरकार की राय में उम्मीदवार ने गंतव्यपत्रक सप से अपनी परिवीक्षा अवधि समाप्त कर सकती है, और यदि वह स्थायी नियुक्ति के लिए उपयुक्त समझा जाए तो उसे स्थायी पदों में सौनिक रिक्तियां उपलब्ध होने पर पक्का कर दिया जाएगा।

5. भारतीय धर्म सेवा और भारतीय सांख्यिकी सेवा के नियंत्रित वेतनमात्र नियन्त्रित है—

वेतन प्रद १० 2000-125/2-2250

(नान कंपननल)

ग्रेड—I नियेशक रु० 1800-100-2000

ग्रेड-II संयुक्त नियेशक रु० 1500-60-1800

ग्रेड-III उप नियेशक रु० 1100-50-1600

ग्रेड—सहायक नियेशक रु० 700-40-900-व० २०-40-1100-50-1300।

6. उक्त सेवा के आगे ग्रेड-IV में पदोन्नति समय-समय पर यथासंभवीय भारतीय धर्म सेवा/भारतीय सांख्यिकीय सेवा नियमों के उपरांतों के मनुवार की जाएगी।

भारतीय धर्म सेवा/भारतीय सांख्यिकीय सेवा के अधिकारी को केन्द्रीय सरकार के अवलोकन में कहीं भी या भारत के बाहर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जा सकता है अर्थात्, नकी किसी राज्य सरकार या गैर-सरकार संगठन में नियन्त्रित अवधि के लिए प्रतिनियुक्त पर भेजा जो सकता है।

7. दोनों सेवाओं के अधिकारियों की सेवा की जाती तथा दूसी तथा वेतन हस्तायक अन्य केंद्रीय मिशन सेवाओं में पृष्ठ "क" के सदस्यों पर लागू होने वाले नियमों द्वारा शासित होते हैं।

8. भविष्य नियंत्रित की जाती वही है जो सामान्य भविष्य नियंत्रित (केंद्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित है किन्तु ऐसे संघोन्नतों की जाती के साथ या समय-समय पर सरकार द्वारा किए जाएं।

परिणाम—III

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

(ये विनियम उम्मीदवारों की सुविद्धा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यदृ अनुमान लगा सकें कि वे प्रयोक्षित शारीरिक स्तर के ह या नहीं ? ये विनियम स्वास्थ्य प्रीक्षकों (मोडकल एज्जमितर्स) के मार्ग नियंत्रण के लिए भी हैं।

भारत सरकार को स्वास्थ्य परीक्षा घोर की जिंदगी पर विचार करके उम्मीदवारों या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा।)

1. विनियम के तिन मासिक ठहराए जाने के लिए यह जहरी है कि उम्मीदवारों का मानविक शौगंधिक स्थानिक व्यापार और उसमें कोई ऐसी शारीरिक दोष न हो तो जिससे नियुक्ति के बाद वक्षतापूर्वक काम करने में आघात पाने की संभावना हो।

2. भागतीय (मंगलोहित्यन महिन) वार्ता के उम्मीदवारों की आयु कदम और छाती के बीचे के परस्पर संबंध के बारे में वेदिकल बोहूं के ऊपर यह आप छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवार को परीक्षा में भाग-दर्शन के रूप में जो भी परस्पर संबंध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे अवधार में रहाएं। यदि वजन, कद और छाती के बीचे में विषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और छाती का एकसे लेना चाहिए। ऐसे करने के बाद ही उम्मीदवार को स्वस्थ अपना अस्वस्थ घोषित करेगा।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में मापा जाएगा—वह अपने जूते उतार देना और उम्मीदवार सापदण्ड (स्टेप्हर) से, इस प्रकार सराकर बढ़ा किया जाएगा कि उसके पाय आपस में जुड़े रहे और उसका वजन सिवाय ऐडियों के पांवों की उंगलियों या किसी भी दूसरे पर न पड़े। वह बिना अकड़े सीधा बड़ा होगा और उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और छाती का एकसे लेना चाहिए। उसमी ठोकी, मीठी रसी जाएगी ताकि निर का स्तर (वर्टेक्स आफ दी हैड सेवल) हारिंजटल बार (आड़ी छाड़) के नीचे आ जाए। कद सेंटीमीटरों और माथे सेंटीमीटरों में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवार की छाती मापने का तरीका इस प्रकार है—उसे इस पांति बढ़ा किया जाएगा ताकि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजाएं सिर से ऊपर उठी हों। कींवे की छाती के चिर्द इय तरह लगाया जाएगा कि भीष्टे की ओर इसका ऊपरी किनारा प्रसकलक (शोल्डर ऐड) के निम्न कोणों (हाफिरियर-ए-ल्स) से लगा और कींवे की छाती के चिर्द ले जाने पर उसी छाड़े सम्पत्ति (हारिंजटल ल्सेन) में रहे। फिर भुजाओं की नीचा किया जाएगा और उसे शीर के साथ सटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि चंदे ल्सपर या भीष्टे की ओर न किए जाएं ताकि कींवा आपने छात के समय छात से हट न पाये। तब उम्मीदवार को कई बार गहरा सास लेने के लिए कहा जाएगा और छाती का अधिक से अधिक फैलाव गैर से नोट किया जाएगा और कम से कम ग्रोव अधिक से अधिक ए लाल सेंटीमीटर में रिकार्ड किया जाएगा, 84-89, 86-93 आदि। मात्र का रिकार्ड करने समय आइए सेंटीमीटरों से कम से कम के भिन्न (फ्रेशन) को नोट नहीं करना चाहिए।

नोट:- अंगैम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार नापने चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन भी किया जाएगा और उसका वजन किलोग्रामों में रिकार्ड किया जाएगा आदि किलोग्राम से कम के फ्रेशन को नोट नहीं करना चाहिए।

6. (क) उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुमान की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

(ख) चंदे के बिना नजर (तेकेड आई शिवन) की कोई अनुभव सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होती, किन्तु प्रत्येक मामले में, सेडिकल बोहूं या अन्य मेडिकल अधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा। पर्योक्षि इससे आख की हानित के बारे में मूल सूचना (बेनिक इंकारमेशन) मिल जाएगी।

(ग) चंदे के बाथ चंदे के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक निम्नलिखित होगा—

नजदीकी नजर	नजदीकी नजर
अच्छी आंख	अच्छी आंख
(ठीक की हुई)	(ठीक की हुई)
दृष्टि	दृष्टि
6/9	6/9
या	या
6/9	6/12
जो० I	जो० II
इन्हें पर्योक्षि प्रोत्साहनों की पूर्ति करता है।	

(ब) मायोगिया फैडस के प्रत्येक सामले में परीक्षा की जानी चाहिए और उसके परिणाम रिकार्ड किए जाने चाहिए। यदि उम्मीदवार की ऐसी रोगात्मक दशा हो जो कि बड़ सकता है और उम्मीदवार की कायकुशलता पर प्रभाव डाल सकती है तो उसे अयोग्य घोषित किया जाए।

(ड.) दृष्टि क्षेत्र में सी सेवाओं के लिए सम्मुखन विधि (कन्फेशन मथड) द्वाय दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र को पेरामीटर पर निर्धारित किया जा जाना चाहिए।

(च) रत्नौदी (नाइट ब्लाइंडनेस)---सा रणतया रत्नौदी दी प्रकार की होनी है। (1) नियमित 'ए' की कमी के कारण और (2) दोनों के शरीर रोगों के कारण जिसको आम बजह रेटीनोटिस पिग्मेंटीसी होती है। उपर्युक्त (1) में फैडस की स्थिति सामान्य होती है साधारणतया छोटी आयु वाले व्यक्तियों और कम खुराक पाने वाले व्यक्तियों में दिखाई देती है और अधिक मात्रा में विटामिन 'ए' के खाने से ठीक हो जाती है उपर बताई गई (2) की विधि में फैडस प्रायः होती है शरीर अधिकांश सामलों में केवल फैडस की परीक्षा से ही स्थिति का पता चलता है। इस शरीरी का रोगी प्रौढ़ होता है और खुराक की कमी से एडित नहीं होता है। सरकार में ऊची नोकरियों के लिए प्रयत्न करने वाले व्यक्ति इस वर्ग से आते हैं। उपर्युक्त (1) और (2) दोनों के लिए इंधेरा अनुकूलन परीक्षा में स्थिति का पता चल जाएगा। उपर्युक्त (2) के लिए विशेषतया जब फैडस ता हो तो इलेक्ट्रोरेटीनोग्राफी किए जाने की आवश्यकता होती है, इन दोनों जांचों (अवेरा अनुकूलन और रेटीनोग्राफी) में समय अधिक लगता है। और विशेष प्रबङ्ग और सामान की आवश्यकता होती है। इसीलिए साधारण चिकित्सा जांच से इसका पता संभव नहीं है। इन तकनीकों वालों को ल्यान में रखते हुए मन्त्रालय/विभाग को चाहिए कि वे बताएं कि रत्नौदी के लिए इन जांचों का करना अनिवार्य है या नहीं। यह इस बात पर निर्भर होगा कि जिन व्यक्तियों को सरकारी नौकरी दी जाने वाली है उनके कार्य की अपेक्षाएं यथा हैं और उनकी डॉक्टरी किस तरह की होगी।

(छ) दृष्टि की तीक्ष्णता से जिन आंख की अवस्थाएं (वाक्य-लर कंडीशन) :

(i) श्रोता की उस बीमारी को या बहुती हुई अपवर्तन तृटि (प्रोत्रेसिव रिफ्रेक्टिव एरर) का जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की संभावना हो अयोग्यता का कारण समझा जाना चाहिए।

(ii) भेंगापन (स्कविट) : तकनीकी सेवाओं में जहां दिव्वेन्वी (बाइनोकूलर) दृष्टि अनिवार्य हो दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की होने पर भी भेंगापन को अयोग्यता का कारण समझना चाहिए। दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की होने पर भेंगापन को अन्य सेवाओं के लिए अयोग्यता का कारण नहीं समझना चाहिए।

(iii) एक आंख : यदि किसी व्यक्ति को एक आंख अवश्य उसकी एक आंख की दृष्टि हो सामान्य होर औ दूसरी आंख की मध्य दृष्टि हो अवश्य अप सामान्य दृष्टि हो तो उसका प्रभाव प्रायः यह होता है कि व्यक्ति में गहरा बोध हेतु चिकित्सा दृष्टि का अस्वाय होता है। इस प्रकार की दृष्टि कई सिविल पदों के लिए आवश्यक नहीं है। इस प्रकार के व्यक्तियों को चिकित्सा बोर्ड योग्य मानकर अनुशसित कर सकता है। बाश्ते कि सामान्य आंख :

(i) को दूर की दृष्टि 6/6 और निकट की दृष्टि जै. 1 का चश्मा लगाकर अवश्य उसके बिना हो बाश्ते कि दूर की दृष्टि के लिए किसी मेंरिडियन में तृटि 4 डायोफ्टस से अधिक न हो।

(ii) की दृष्टि का पूरा क्षेत्र हो।

(iii) की सामान्य रग दृष्टि जहां अपेक्षित हो।

बाश्ते कि बोर्ड का यह समाधान ने जाए कि उम्मीदवार प्रश्नाधीन कार्य विशेष से संचित सभी कार्यकलापों का निपादन कर सकता है।

(ज) कान्टेक्ट लैंस ---उम्मीदवार की अवश्य परीक्षा के समय कान्टेक्ट लैंस के प्रयोग की प्राप्ता नहीं होगी। यह आवश्यक है कि आंख की जांच करते समय दूर की नजर के लिए टाइप किए अक्षरों का उद्घासन 15 फूट की कंचाई के प्रकाश से हो।

7. ब्लड प्रैशर

ब्लड प्रैशर के सम्बन्ध में बोर्ड अपने नियम से काम लेगा। नामंत उन्नतम सिस्टालिक प्रैशर के आकलन की काम चलाई विधि नीचे दी जाती हैः—

(i) 15 से 25 वर्ष के युवा आयु से अधिक व्यक्तियों में धीसत ब्लड प्रैशर लगभग 100 जना आयु होता है।

(ii) 25 वर्ष से ऊपर आयु वाले व्यक्तियों से ब्लड प्रैशर के आकलन करने में 110 में आधी आयु बोर्ड देने का तरीका बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

ल्यान दें---सामान्य नियम के रूप में 140 एम० एम० के ऊपर के सिस्टालिक प्रैशर की ओर 90 एम० एम० से ऊपर डायस्टालिक प्रैशर को संदिग्ध मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को योग्य/अयोग्य ठहराने के सम्बन्ध में अपनी इतिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्तवताल में रखे। अस्तवताल की रिपोर्ट से [यह पता लगाना चाहिए, कि बबराहट (इक्साइटेंट) आवि के कारण ब्लड प्रैशर बुद्धि बोर्डी समय रखती है या उसका कारण कोई कार्यक (आयंगिक) बीमारी है? ऐसे बही केसों में हृदय की एक्स-रे और विद्युत हृदयलेखी (इचेक्ट्रो कार्डिओफोल) बीमारी और रक्त यूरिया निकास (किलेयरेस) की जांच भी नीचे रूप देती जाती चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने की बारे में बहितम फैसला केवल बोर्ड ही ही करेगा।

ब्लड प्रैशर (रक्त दाव) लेने का तरीका

नियमित पारे वाले दावातरमारी (मर्फी मिडोमीटर) किसम का उपकरण (डर्ने में) हस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस के व्यायाम या बबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाव नहीं लेना चाहिए। रोगी बेठा या लेटा हो बाश्ते कि वह और विशेषकर उसकी मुजा शिखिल और आराम से हो। कुछ हार्जेंट्स विधि में रोगी के पाश्वं पर मुजा को आराम से सहारा दिया जाए मुजा पर, से कषे तक कमड़े उतार देने चाहिए। कषे में से पूरी तरह हड्डा निकाल कर बीच की रखड़ को मुजा के अंदर की ओर रखकर और इसके नीचे किनारे की कोहनी के बोर्ड से एक या दो इच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बावजूद कमड़े को पूरी को फैलाकर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हड्डा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर को न निकले।

कोहनी के बोर्ड पर प्रगड़ घमनी (बेकिग्रल आर्टरी) को दबा-दबाकर हूँडा जाता है तब तक इसके ऊपर बीचों-बीच स्टेच स्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम० एम००० जौ० हवा भरी जाती है और इसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की अमिक छवनि सुनाई पड़ने पर जिस स्तर वर परारे का काम टिका होता है वह सिस्टालिक प्रैशर दर्शाता है। जब भी रक्त निकाली जाए गी तो इवनियांवनि तेज सुनाई पड़ेगी। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली इवनियां हल्की दबी हुई-सी लूत प्राय हो जाय, वह डायस्टालिक प्रैशर है। ब्लड प्रैशर काफी बोर्डी अवधि

ही लेने वा चाहिए। क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिए शोभकार होता है और इससे रीडिंग गलत हो जाती। यदि दोबार पढ़ताल करनी ज़रूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाये। (कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर इनियाँ सुनाई पड़ती हैं, दब गिरने पर ये बायब हो जाती हैं और निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं) इस साइरेंट गेंप से रीडिंग में गलती हो सकती है।

8 परीक्षक की उपस्थिति में ही किए गए मूल की परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम स्किर्ड किया जाना चाहिए। जब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूल में रासायनिक जांच हारा शक्तर का पता चले तो बोर्ड इसके अन्य सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डाय-बिंड) के द्योतक चिह्नों और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोजमेह (ग्लूकोसूरिया) के सिवाए, प्रपेक्षित मेडिकल फिटनस के स्टैण्डर्ड के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोजमेह अमधुमेही (नान डायबिटिक) हो और बोर्ड केस का मेडिसिन के किसी ऐसे निविष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएं हैं, मेडिकल विशेषज्ञ स्टैण्डर्ड ब्लड ब्लूगर टालरेस टैस्ट समेत जो भी विशेषज्ञ या लेबोरेटरी परीक्षा ज़रूरी समझेगा करेगा और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेजेगा जिसके पास उम्मीदवार को "फिट" या "अनफिट" की अनिम्न राय आधारित होगी। इससे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना ज़रूरी नहीं होगा। अधिकारी के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह ज़रूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देख-रेख में रखा जाए।

9 यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हप्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसको अस्थायी रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए। जब तक कि उसका प्रसव 1 न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टिशनर से अधोग्रहण का प्रमाण पद प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की तरीख से 6 हप्ते बाद आरोग्य प्रमाण पद के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य की परीक्षा की जानी चाहिए।

10 निम्नलिखित अतिरिक्त बातों का प्रेक्षण करना चाहिए :—

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है या नहीं। और कान की बीमारी का कोई चिह्न है या नहीं। यदि कान की कोई खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान विशेषज्ञ हारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य किया (आपरेशन या (हिंगरिंग) एड के इस्तेमाल से हो) सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर ग्रयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बश्यते कि कान की बीमारी बहने वाली न हो। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्ग दर्शन के लिए इस सद्बैश्व में निम्नलिखित मार्गदर्शक जानकारी दी जानी है :—

1. एक कान में प्रकट अध्वा पूर्ण यदि उच्च फ्रीवॉसी में बहरापन बहरापन दूसरा कान सामान्य 30 डेसीभल तक हो तो गर-तकनीकी होगा।

2. दोनों कानों में बहरापन का यदि 1000 से 4000 तक की प्रत्यक्ष घोष जिसमें अवण यंत्र (हिंगरिंग एड) द्वारा कुछ सुधार संभव हो।

3. संडूल अध्वा माजिनल टाइप के टिमपेनिक मेम्ब्रेन में छिप हो तो अस्थायी आधार पर अधोग्रहण।

कान की शल्य-चिकित्सा की स्थिति सुधारने में दोनों कानों में माजिनल

या अन्य लिंग वाले उम्मीदवारों को अस्थायी रूप से अधोग्रहण घोषित करके उस पर नीचे दिए गए नियम 4(ii) के अधीन विचार किया जा सकता है।

(2) दोनों कानों में माजिनल

या एटिक लिंग होने पर अधोग्रहण।

(3) दोनों कानों में सेप्टल लिंग

होने पर अस्थायी रूप से अधोग्रहण।

4. कान के एक ओर से/दोनों ओर से मस्टायड के बिटी से सुनाई होती है, दूसरे कान में सबनार्मल अवण कान-मस्टायड के बिटी होने पर तकनीकी तथा गर-तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए योग्य।

(2) दोनों ओर से मस्टायड के बिटी

तकनीकी काम के लिए अधोग्रहण।

यदि किसी भी कान की अवणता

अवणयंत्र लगाकर अथवा बिना

लगाए सुधर कर 30 डेसीभल हो

जाने पर गर-तकनीकी कामों

लिए योग्य।

5. बहते रहने वाला कान-आपरेशन तकनीकी तथा गर-तकनीकी दोनों किया या /बिना आपरेशन वाला प्रकार के कानों के लिए अस्थायी रूप से अधोग्रहण।

6. नासापट की हड्डी सम्बन्धी/विस्मानार्मल (बोनी डिकारमिटा) सहित अथवा उससे रहित नाक की जीण प्रदाहक एलजिक दशा।

(2) यदि लक्षणों सहित नासापट अक्षरण विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अधोग्रहण।

(1) प्रत्येक मामले में परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा।

7. टांसिल और/या स्वर भंत्र (लैरिक्स) की जीण प्रदाहक दशा।

(2) यदि आवाज में अत्यधिक करणता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अधोग्रहण।

8. कान, नाक, गले (ई० एन० टी०) के हृत्के अथवा अपने स्थान पर दुर्दम द्यूमर।

(1) हृत्के द्यूमर अस्थायी रूप से अधोग्रहण।

(2) दूर द्यूमर अधोग्रहण। अवण यंत्र की सहायता से या आपरेशन के बाद अवणता 30 डेसीभल के अन्दर होने पर योग्य।

10. कान, नाक अथवा गले के जन्म जात दोष।

(1) यदि काम को ज में बाधक हो तो योग्य।

(2) भारी माता में हल्काहट हो तो अधोग्रहण।

11. नेजल पोलो।

अस्थायी रूप से अधोग्रहण।

(ब) उम्मीदवार बोलने में हक्काता/हक्कासी नहीं हो।

- (ग) उसके दात अच्छी हालत में है या नहीं, और अच्छी तरह बचाने के लिए जरूरी होने पर नकली दात सगे हैं या नहीं (अच्छी तरह भरे हुए बातों को छोक समझा जाएगा)।
- (ब) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं उसका दिल या फेंके ठीक है या नहीं।
- (ब) उसे पेट की बीमारी है या नहीं।
- (च) उसे रक्खर है या नहीं।
- (छ) उसे हाईड्रोसीस, बड़ी हुई बेनिकॉमिल वेरिक्यूजिशा (बन) या बवासीर है या नहीं।
- (ज) उसके घंगों, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और उसकी ग्रंथियां भली-भांति स्थिति रूप से हिलती हैं या नहीं।
- (झ) उसे कोई चिरस्थायी अस्था की बीमारी है या नहीं।
- (झा) कोई जम्मास कुरुक्षना या दोष है या नहीं।
- (ट) उसमें किसी उप्र या जीणे बीमारी के निशान हैं या नहीं जिससे कमज़ोर गठन का पता लगे।
- (ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं।
- (ठ) उसे कोई संघारी (कम्फ्युनिकेशल) रोग है या नहीं।

11. दिल और कफ़ों की किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिए जो साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात न हो, मध्यी मामलों में रूप से छाती की एकतरे परीक्षा की जानी चाहिए।

सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार के स्वास्थ्य के सम्बन्ध में जहां कहीं संदेह हो विकिसा बोर्ड का अध्यक्ष उम्मीदवार की योग्यता अपना ध्यान देता है कि उसकी जिसी प्रक्रिया के लिए जाने के प्रश्न पर किसी उपचुक्त अस्थितात्मक विशेषज्ञ से परामर्श कर सकता है उसे यदि किसी उम्मीदवार पर मानसिक शूटि अथवा विप्रयन (ऐवरेशन) से पीड़ित होने का संदेह होने में बोर्ड का अध्यक्ष अस्पताल में किसी भनोविकास विज्ञानी/मनोविज्ञानी से परामर्श कर सकता है।

जब कोई रोग मिले हो उसे प्रमाण-पत्र में अस्थिर ही नोट किया जाए। मेडिकल परीक्षक की अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार से प्रयोगित अस्थितापूर्ण ड्यूटी में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

12. मेडिकल बोर्ड के निर्णय के विरुद्ध अपील करने वाले उम्मीदवार को भारत सरकार द्वारा निर्वाचित विधि के अनुसार २०.५०/- का अपील शुल्क जमा करना होता है। यह शुल्क केवल उन उम्मीदवारों को वापस मिलेगा जो अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा योग्य घोषित किए जाएं हैं लेकिन दूसरों के बारे में यह अंत कर दिया जाएगा। यदि उम्मीदवार बोर्ड से अपने आरोग्य होने के दावे के समर्थन में स्वस्ता प्रमाण-पत्र संलग्न कर सकते हैं। उम्मीदवारों को प्रथम स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा भेजे गए निर्णय के 21 दिन के अंदर प्रभील वेश करनी चाहिए अथवा अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा दूसरी, स्वास्थ्य परीक्षा के लिए अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा। अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा के बाहर नहीं घोषित होनी में गोपनीय अवधारणा की जाती है। अपनी मेडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

मेडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

कारीगरीय योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाए जाने वाले टैण्डर्ड में संबंधित उम्मीदवार की मायू और सेवा फाल यदि ३), के निए उचित गूजाई रखनी चाहिए।

मेडिकल बोर्ड का रिपोर्ट

किसी ऐसे घटित को प्रतिक्रिया नहीं के लिए योग्य नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में याकास्तिक सरकार या नियुक्ति प्राप्तिकारी (प्राप्तिकारी विधायिका) को यह तसल्ली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक बुरलता (वालिकी इनकमिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए योग्य नहीं या उसके अध्योग्य होने की संभावना हो।

यह भारत समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न अधिक से भी उतना ही समझ है जितनि कि जब उसने से ही और मेडिकल परीक्षा का एक मूल्य उद्देश्य निरस्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्वायी नियुक्ति के उम्मीदवार के मामले में अकाल मूल्य द्वारा पर समय पूर्व बैठन या अदायागयों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट करा लेया जाए कि जहां प्रश्न निरस्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्तीकृत करने की सलाह उस हालत में नहीं दी जानी चाहिए जबकि उसमें कोई दोष हो जो केवल असुन्दर कम स्थितियों में निरस्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

बोर्ड में सामान्यतः तीन सवाल होते हैं (१) एक कार्य विकिसक (२) एक शाल्य विकिसक और (३) एक नेत्र विकिसक। ये सभी यात्रा-संभव साध्य समान हाल के होने से चाहिए। महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लेडी डाक्टर को बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोगित किया जाएगा।

भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय साक्षियां सेवा उम्मीदवारों को भारत में और भारत से बाहर भेज सेवा (फील्ड सर्विस) करनी होती है। इस प्रकार के किसी उम्मीदवार के मामले में मेडिकल बोर्ड की इस बारे में अपे रोगियोग्य रूप से रिकार्ड करनी चाहिए कि उम्मीदवार क्लिन सेवा (फील्ड सर्विस) के योग्य है या नहीं। डाक्टरी बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए।

ऐसे मामलों में जबकि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए योग्य करार दिया जाता है तो गोटे तौर पर उसके अस्तीकार किए जाने के घाटार उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं। किंतु डाक्टरी बोर्ड ने भी खाराबी बताई हो उसका विस्तृत भ्यूरा नहीं दिया जा सकता।

ऐसे मामलों में जहां डाक्टरी बोर्ड का यह सिद्धार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार द्वारा योग्य बताने वाली छोटी-मोटी खराबी विकिसा (ग्रोग्य या शाल्य) द्वारा दूर हो सकती है वह डाक्टरी बोर्ड द्वारा इस ग्राम्य का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राप्तिकारी डाक्टर इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सुनित किए जाने में कोई अपत्ति नहीं है और जब वह खराबी दूर हो जाए तो दूसरे डाक्टरी बोर्ड के समने उस घटित को उपस्थित होने के लिए कहने में संबंधित प्राप्तिकारी स्वतंत्रता है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी तौर पर 'अयोग्य' करार दिया जाए तो दुवारा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम से कम ६ महीने से कम नहीं होती है। नियुक्ति प्राप्तिकारी द्वारा दूसरे उम्मीदवार को और आगे की अवधिके लिए अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिए उनकी योग्यता के संबंध में अस्तीकार इस नियुक्ति के लिए अयोग्य है ऐसा निर्णय अस्तित्व रूप से दिया जाना चाहिए।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित घोषित स्टेटमेंट देनी चाहिए और उसके साथ लगी हुई घोषणा (विलोरेशन) पर हस्ताक्षर करने की चाहिए। नीचे दिए गए नोट में उल्लिखित चेतावनी की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए।

1. अपना दूसरा नाम लिखें

(साक घटारों में)

2. अपनी आयु और जन्म स्थान बतायें

3. (क) यह अनुसूचित जाति या गोत्र, गढ़वाली, भगवानी, भगविया, मागालीष जनजाति आदि में से किसी जाति से संबंधित है जिसका असत कद दूसरों से कम होता है 'हाँ' या 'नहीं' में उत्तर दीजिए। उत्तर 'हाँ' में होतो उस जाति का नाम बताएं।

(क) क्या आपको कभी बेचक रुक-दक कर होने वाला या कोई दूसरा बुद्धार, पंचिया (ग्लॉब्स) का बड़ाया या इससे पीप पहना, घूंक में लून आना, दमा, दिल की बीमारी, फेंग्हे की बीमारी, मूर्छा के दीरे, रमेटिंग, एंडिसाइटिंग हुआ है।

प्रश्ना

(ख) दूसरी कोई बीमारी या हृष्टाना, जिसके कारण शम्बा पर सेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुई है ?

4. आपको बेचक का टोका आधिकारी वार कब लगा था ?

5. क्या आपको अधिक काम या दूसरे किसी कारण से किसी किस्म की मध्यीरता (मध्यसनेस) हुई ?

6. आपने परिवर्तके सम्बन्ध में निम्नलिखित ज्ञाने वें :—

यदि पिता जीवित मृत्यु के समय आपके कितने आपके कितने ही तो उसकी पिता की आयु आई जीवित है, आइयों की मृत्यु आयु और स्वास्थ्य और मृत्यु का उसकी आयु और हो जूँही है की अवस्था कारण स्वास्थ्य की अवस्था उसकी आयु और मृत्यु का कारण

यदि माता जीवित मृत्यु के समय माता आपकी कितनी आपकी कितनी ही तो उसकी आयु की आयु और बहने जीवित है, बहिनों की मृत्यु और स्वास्थ्य की मृत्यु का कारण उसकी आयु हो जूँही है मृत्यु और स्वास्थ्य की अवस्था आयु और मृत्यु का कारण

7. क्या हमके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ?

8. यदि उपर के प्रश्न का उत्तर 'हाँ' में होतो बताइए किस सेवा/किस सेवाओं के लिए आपकी परीक्षा की गई थी।

9. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था ?

10. कब और कहाँ मेडिकल बोर्ड हुआ ?

11. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अबवा आपको मानूम हो।

मैं जीवित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है, उपर यिए पर सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

मेरे लालने हस्ताक्षर किए

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर

मोदी :—उपर्युक्त कथन की यथार्थता के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जानवृत्त कर किसी सूचना को डिपाने से वह नियुक्त बोर्डों की जीवित लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी जाए तो वार्डमें नियुक्त अफा (सुपरएम्यूक्यूल मलांकेंस) या उपचान (सेम्प्लाई) के सभी शब्दों से हाथ छो बैठा।

(उम्मीदवार का नाम) की आरीरिक परीक्षा की मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

1. सामान्य विकास मन्त्रा बीच का कम कम कम योग्य : पतला बीमत बोटा कब यूँ उतारकर बजन अस्पतम बजन कब था ? बजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन तापमान लाती का बेर

(1) बूग सांस लीजने पर

(2) पूरा सांस लिकालने पर

2. लचा	3. गैल	4. कोई बीमारी	5. रक्तोंती	6. कलर विजन का दोष	7. बुधि वैज्ञानिक विज्ञान	8. रक्त तीक्ष्णता (विजुअल एक्सीटी)	9. फलस की वाच	10. बीमारी बीमारी
(1) कोई बीमारी	(2) रक्तोंती	(3) कलर विजन का दोष	(4) बुधि वैज्ञानिक विज्ञान	(5) रक्त तीक्ष्णता (विजुअल एक्सीटी)	(6) फलस की वाच			
(7) रक्त विजन का दोष	(8) बुधि वैज्ञानिक विज्ञान	(9) रक्त तीक्ष्णता (विजुअल एक्सीटी)	(10) फलस की वाच					
(11) रक्त विजन का दोष	(12) बुधि वैज्ञानिक विज्ञान	(13) रक्त तीक्ष्णता (विजुअल एक्सीटी)	(14) फलस की वाच					

बुधि की विज्ञान के विज्ञान	बुधि के विज्ञान	बुधि के विज्ञान	बुधि की विज्ञान

पूर की तरह	या० नै०	या० नै०	पूर की तरह	या० नै०	या० नै०

4. कान : निरीक्षण	सुनाना	वाली कान	वाली कान

5. दृष्टियाँ	वाहराहर

6. शारीरीक हालत	

7. स्वस्थ तंत्र (रेसपायरेक्टरी सिस्टम) — या आरीरिक परीक्षा करने वाले तंत्र के धंगों में से किसी असमानता का पता लगा है ? यदि पता लगा है तो असमानता का पूरा व्यौरा है।
--

8. परिवर्तन तंत्र (सेक्युलिटरी विस्टम)

(क) हृदय : कोई असाधिक गति (आर्डिनेक लीजन) —
गति (रेट) —
बहु होने पर

25 बार कुदाए जाने के बाव
कुदाए जाने के 2 मिनट बाव

(ब) व्यव श्रीवर सिस्टालिक
डायस्टालिक

9. उद्वर (वेट) : बेर स्पर्शात्रि छुता

हैमिना :—

(क) दबा कर मालूम पड़ना/लिवर
तिली
हृदयर

(ब) रक्तार्क व्यवर

10. तांडिक तंत्र (सर्व विस्टम) तांडिक वा नानसिक अस्पताल जांबंदर का संकेत

11. चालतंत्र (लोकोमोटिव विस्टम) अप्प्लोडील वरिकोसिल आदि का कोई संकेत

12. जनन गूँह तंत्र (लैनिरी यूटिनरी विस्टम) ग्राह्योदील वरिकोसिल आदि का कोई संकेत

बूँद परीक्षा :—

(क) लैसा विकारी पड़ता है ?

(ख) अपेक्षित गूँह (स्टेलिकिल रेखिटी)

(ग) एक्स्ट्रम

- (vii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975.
- (viii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (ix) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (x) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;
- (xi) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof; who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (xiii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire, and Ethiopia;
- (xiv) up to a maximum of five years in case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1986 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January 1986) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of Physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment;
- (xv) up to a maximum of ten years in case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military service as on 1st January, 1986 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January, 1986) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of Physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment; who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xvi) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January 1971 and 31st March, 1973.
- (xvii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973.
- (xviii) up to a maximum of six years, if a candidate has ordinarily resided in the State of Assam during the period from the first day of January, 1980 to the fifteenth day of August, 1985.
- (xix) up to a maximum of eleven years, if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and has ordinarily resided in the State of Assam during the period from the first day of January, 1980 to the fifteenth day of August, 1985.

Note :—Ex-servicemen who have already joined Government job on Civil side after availing of the benefits given to them as ex-servicemen for their re-employment, are not eligible to the age concession under Rule 3(b)(xiv) & 5(b)(xv) above.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. A candidate for the Indian Economic Service must have obtained a degree with Economics or Statistics as a subject and a candidate for the Indian Statistical Service must have obtained a degree with Statistics or Mathematics or Economics as a subject from any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational institutions established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 or possess an equivalent qualification.

NOTE I.—A candidate who has appeared at an examination, the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than 30th Sept., 1986.

NOTE II.—In exceptional cases the Union Public Service Commission may treat a candidate, who has not any of the foregoing qualification, as a qualified candidate provided that he has passed examinations conducted by other institutions the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission.

NOTE III.—A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign University may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

7. Candidates must pay the fee prescribed in para 6 of the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily-rated employees or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission with holding permission to the candidates' applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter including, obscene language or pornographic matter, in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or
- (xi) Violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination' or
- (xii) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

12 Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for *viva voce*.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for *viva voce* by the Commission by applying the relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for *viva voce* on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. After the examination the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes can not be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. In the case of the candidates competing for both the Services, due consideration will be given to the order of preference expressed by a candidate at the time of his application.

No request for alteration in preferences indicated by candidates in respect of Services for which they desired to be considered, would be entertained unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of publication of the results of the written examination in the "Employment News".

16. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents is suitable in all respects for appointment to the Service.

17. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such physical examination as Government or, the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Any candidate called for *viva voce* by the Commission may be required to undergo physical examination.

NOTE.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are

given in Appendix III to these Rules. For the disabled ex-Defence Services personnel the standards will be relaxed consistent with the requirements of the Service (s).

18. No. person :—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

19. Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are stated in Appendix-II.

V. SUBRAMANIAN, Director

APPENDIX I

The examination shall be conducted according to the following plan :—

Part I.—Written examination carrying a maximum of 900 marks in the subjects as shown below.

Part II.—*Viva voce* (vide Part 'B' of the Schedule to this Appendix) of such candidates as may be called by the Commission, carrying a maximum of 250 marks.

2. The subjects of the written examination under Part I, the maximum marks allotted to each subject/paper and the time allowed shall be as follows :—

Sl. No.	Subject	Code No.	Maximum Marks	Time Allowed
1	2	3	4	5

A Indian Economics Service

1.	General English	01	150	3 hrs.
2.	General Studies	02	150	3 hrs.
3.	General Economics I		200	
	Part I	0350	marks-Part-I 1 hr. } Part II	3 hrs. } 3 hrs. 04150 marks Part-II 2 hrs. J
4.	General Economics II		200	
	Part I	0550	marks Part-I-1 hr. } Part II	3 hrs. } 06150 marks Part-II-2 hrs. J
5.	Indian Economics	200		
	Part I	0750	marks Part-I-1 hr. } Part II	3 hrs. } 08150 marks Part-II-2 hrs. J

N.B.—In the case of papers on subjects at S. Nos. 3 to 5 above if a candidate does not reach the Examination Hall within the permissible time limit and is not admitted to the examination in Part I of the paper, he will not be entitled to be admitted to Part II of the paper.

B. Indian Statistical Service

1.	General English	01	150	3 hrs.
2.	General Studies	02	150	3 hrs.
3.	Statistics I	09	200	3 hrs.
4.	Statistics II	10	200	3 hrs.
5.	Statistics III	11	200	3 hrs.

NOTE I.—The papers on the subjects 'General English' and 'General Studies' will consist of objective type questions only.

NOTE II.—Part I of the paper on subjects at S. Nos. 3 to 5 above for the Indian Economic Service will consist of objective type questions only and Part II of the papers on these subjects will consist of short answer and essay type questions.

NOTE III.—The papers on the subjects at S. Nos. 3 and 4 for the Indian Statistical Service will consist of objective type questions only and the paper on the subject at S. No. 5 will consist of essay type questions.

NOTE IV.—For details including sample questions for the papers on the subjects which will consist of objective type questions please see "Candidates Information Manual" at Annexure II to the Commission's Notice.

NOTE V.—The standard and syllabi of the subjects mentioned above are given in Part A of the Schedule to this Appendix.

3. ALL QUESTION PAPERS MUST BE ANSWERED IN ENGLISH. QUESTION PAPERS WILL BE SET IN ENGLISH ONLY.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances, will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

6. If a candidate's handwriting is not easily legible, a deduction will be made on this account, from the total marks otherwise accruing to him.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words.

9. In the question papers wherever necessary, questions involving the use of Metric System of Weights and Measures only will be set.

10. Candidates are permitted to bring and use battery operated pocket calculators for conventional (essay) type papers only. Loaning or inter-changing of calculators in the Examination Hall is not permitted.

It is also important to note that candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

11. Candidates should use only International Form of Indian numeral (eg. 1, 2, 3, 4, 5, 6, etc.) while answering question papers.

THE SCHEDULE

PART A

The standard of papers in General English and General Studies will be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

The standard of papers in the other subjects will be that of the Master's degree examination of an Indian University in the relevant disciplines. The candidates will be expected, to illustrate theory by facts, and to analyse problems with the help of theory. They will be expected to be particularly conversant with Indian problems in the field(s) of Economics/Statistics.

THE SCHEDULE
GENERAL ENGLISH (Code No. 01)

The questions will be designed to test the candidate's understanding of English and workmanlike use of words.

GENERAL STUDIES (Code No. 02)

The paper in General Studies will include knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

GENERAL ECONOMICS I (Code No. 03 for
Part I And 04 For Part II)

Theory of consumer's demand : Indifference curve analysis. Revealed preference approach.

Theory of production; Factors of production. Production function. Laws of return. Equilibrium of the firm and the industry.

Theory of value : Pricing under various forms of market organisation. Public utility pricing.

Theory of distribution; Pricing of factors of production. Theories of rent, wages, interest and profit. Macro distribution theory. Adding up problem. Inequalities in income distribution.

Welfare-economics : Old and new welfare economics. The compensation principle, policy implications.

Concept of national income. Social accounting.

Theory of employment output and inflation—the classical and neo-classical approaches. Keynesian theory of employment. Post Keynesian developments.

GENERAL ECONOMICS—II (Code No. 05 For
Part—I And 06 For Part—II)

Concept of economic growth and its measurement. Theories of growth.

Characteristics and problems of developing countries. Population growth and economic development.

Planning : Concept and methods. Planning under capitalist and socialist forms of economic organisation. Planning in a mixed economy. Perspective planning. Regional Planning. Investment criteria and choice of techniques.

International economics : Theories of international trade, gains from trade. Terms of trade. Trade policy. International trade and economic development. Theory of tariffs.

Balance of payments, disequilibrium in balance of payments. Mechanism of adjustments. Foreign trade, multiplier. Exchange rates. Import and exchange controls.

I.M.F. and international monetary reforms. GATT. International aid for economic growth. I.B.R.D. and its affiliates.

Money : Its value and functions. Monetary policy. Functions of central and commercial banks.

Fiscal policy and its objectives : Theories of taxation and expenditure. Objectives and effects of public expenditure. Effects and incidence of taxation. Deficit financing. Theory of public debt.

Use of statistics in economics. Statistical average and measures of dispersion. Index numbers of prices and quantities—their limitations.

INDIAN ECONOMICS (Code No. 07 for Part I and 08 for Part II)

Basic features of the Indian economy : Development strategy; Role of agriculture and industry; Role of foreign trade, Concept of balanced growth.

Planning : Objectives, priorities and problems. Five year plans. Problem of resource mobilisation.

Agriculture: New agricultural strategy; land relations and land reforms; rural credit, role of irrigation and fertiliser; agricultural marketing. Prices of agricultural produce. Crop planning. Community development. Subsidiary occupations and rural industries.

Cooperation; its role in rural development. Growth of cooperative movement in India.

Industry: Strategy of industrial development. Problem of location. Problems of large and small scale industries. Industrial policy. Industrial estates. Sources of industrial finance. Role of foreign capital. Public enterprises; Organisation, management control and accountability, price policy.

Labour : Employment, unemployment and under-employment. Industrial relations and labour welfare. Labour policy. Wages, prices and income policy.

Foreign Trade : Salient features of India's foreign trade. Foreign trade policy. State trading. Balance of payments.

Money and Banking : Organisation of the India money market. Functioning of the commercial banks and the Reserve Bank of India. Monetary policy.

Public Finance : Fiscal Policy; Growth of Public expenditure. Tax policy. Main sources of revenue of Union and State Governments. Public debt policy. Deficit financing Union-State financial relations.

STATISTICS—I (Code No. 09)

NOTE :—ONLY OBJECTIVE TYPE (MULTIPLE CHOICE) QUESTIONS WILL BE SET

Probability (40 per cent weight)

Elements of measure theory. Classical definition and axiomatic approach. Sample space. Laws of total and compound probability. Probability of m events out of n . Conditional probability. Bayes' theorem. Random variable—discrete and continuous. Distribution function. Standard probability distributions—Bernoulli, uniform, binomial, poisson, geometric, rectangular, exponential, normal, cauchy, hypergeometric, multinomial, Laplace, negative binomial beta, gamma, lognormal and compound Poisson distribution. Convergence in distribution, in probability, with probability one and in mean square. Moments and cumulants. Mathematical expectation and conditional expectation. Characteristic function and moment and probability generating functions. Inversion, uniqueness and continuity theorems. Tchebycheff's and Kolmogorov's inequalities. Laws of large numbers and central limit theorems for independent variables.

Statistical methods (45 per cent weight)

Collection, compilation and presentation of data. Charts, diagrams and histogram. Frequency distribution. Measures of location, dispersion and skewness. Bivariate and multivariate data. Association and contingency. Curve fitting and orthogonal polynomials. Bivariate distributions. Bivariate normal distribution. Regression-linear, polynomial. Distribution of the correlation coefficient. Partial and multiple correlation. Intraclass correlation. Correlation ratio.

Standard errors and large sample tests. Sampling distributions of x , S^2 , chi-square and F ; tests of significance based on them.

Non-parametric tests/sing, median, run Wilcoxon, Mann-Whitney, Wald-Wolfowitz etc. Rank order statistics—minimum, maximum, range and median.

Numerical Analysis (15 per cent weight)

Interpolation formulae (with remainder terms) due to Lagrange, Newton-Gregory, Newton (Divided difference), Gouss and Stirling. Euler Maclaurin's summation formula. Inverse interpolation. Numerical integration and differentiation. Difference equations of the first order. Linear difference equations with constant co-efficients.

STATISTICS—II (Code No. 10)

NOTE :—ONLY OBJECTIVES TYPE (MULTIPLE CHOICE) QUESTIONS WILL BE SET

Linear Models (25 per cent weight)

Theory of linear estimation. Gauss-Markoff set up. Least square estimators. Use of g-inverse. Analysis of one-way and two-way classified data—fixed, mixed and random effect models. Tests for regression co-efficients.

Estimation (25 per cent weight)

Characteristics of a good estimator. Estimation methods of maximum likelihood, minimum chi-square moments and least squares. Optimal properties of maximum likelihood estimators. Minimum variance unbiased estimators. Minimum variance bound estimators. Cramer-Rao inequality. Bhattacharya bounds. Sufficient estimator. Factorisation theorem. Complete statistics. Rao-Blackwell theorem. Confidence interval estimation. Optimum confidence bounds.

Hypothesis testing (25 per cent weight)

Simple and composite hypotheses. Two kinds of error. Critical region. Different types of critical regions and similar regions. Power function. Most powerful and uniformly most powerful tests. Neyman-Pearson fundamental lemma. Unbiased test. Randomised test. Likelihood ratio test. Wald's SPRT. OC and ASN functions. Elements of decision and game theory.

Multivariate Analysis (25 per cent weight)

Multivariate normal distribution. Estimation of mean vector and covariance matrix. Distribution of Hotelling's T^2 statistic. Mahalanobis's D^2 statistic, partial and multiple correlation coefficients in samples from a multivariate normal population. Wishart's distribution, its reproductive and other properties. Wilk's criterion. Discriminant function. Principal components. Canonical variates and correlations.

STATISTICS—III (Code No. 11)

NOTE : ONLY ESSAY TYPE QUESTIONS. NOT INVOLVING LENGTHY AND COMPLICATED PROOFS WILL BE SET.

PART (a) (Compulsory for all)

Sampling Techniques (35 per cent weight)

Census versus sample survey. Pilot and large scale sample surveys. Sample random sampling with and without replacement. Stratified sampling and sample allocations. Cost and variance functions. Ratio and regression methods of estimation. Sampling with probability proportional to size. Cluster double, multiphase, multistage, and systematic sampling. Interpenetrating sub-sampling. Non-sampling errors.

Economic Statistics (25 per cent weight)

Components of time series. Methods of their determination—variate difference method. Yule-Slutsky effect. Correlogram. Autoregressive models of first and second order. Periodogram analysis. Index numbers of prices and quantities and their relative merits. Construction of index numbers of wholesale and consumer prices. Income distribution—Pareto and Engel curves. Concentration curve. Methods of estimating national income. Inter-sectoral flows. Inter-industry table.

PART (b)

CANDIDATES WILL BE ALLOWED OPTION OF ANSWERING QUESTIONS ON ANY ONE OF THE FOLLOWING TOPICS

(i) *Statistical Quality Control and Operations Research* (40 per cent weight)

Different kinds of control charts of variable and attributes. Acceptance sampling by attributes—Single, double, multiple and sequential sampling plans. OC and ASN functions. Concept of AOQL and ATI. Acceptance sampling by variable—use of Dodge—Romig and other tables.

Operations research approach. Elements of linear programming. Simplex procedure. Transport and assignment problems. Principle of duality. Single and multi-period inventory control models. ABC analysis. Characteristics of a waiting line model. $M|M|I$, $M|M|C$ models. General simulation problems. Replacement models for items that fail and of items that deteriorate.

(ii) *Demography and Vital Statistics* (40 per cent weight)

The life table, its construction and properties. Makeham's and Gompert curves. National life tables. UN model life tables. Abridged life tables. Stable and stationary populations. Different birth rates. Total fertility rate. Gross and net reproduction rates. Different mortality rates. Standardised death rate. Internal and international migration; net migration. International and pastcensal estimates. Projection methods including logistic curve fitting. Decennial population censuses in India.

(iii) *Design and Analysis of Experiments* (40 per cent weight)

Principles of design of experiments. Layout and analysis of completely randomised, randomised block and latin square designs. Factorial experiments and confounding in 2^n and 3^n experiments. Split-plot and strip-plot design. Construction, and analysis of balanced and partially balanced incomplete block designs. Analysis of covariance. Analysis of non-orthogonal data. Analysis of missing and mixed plot data.

(iv) *Econometrics* (40 per cent weight)

Theory and analysis of consumer demand—specification and estimation of demand functions. Demand elasticities. Structure and model. Estimation of parameters in single equation model—classical least squares, generalised least-squares, heteroscedasticity, serial correlation, multicollinearity, errors in variables model. Simultaneous equation models—Identification, rank and other conditions. Indirect least squares and two stage least squares. Short-term economic forecasting.

PART B

Viva Voce.—The candidate will be interviewed by a Board of competent and unbiased observers who will have before them a record of his career. The object of the interview is to assess his suitability for the Service or Services for which he has competed. The interview is intended to supplement the written examination for testing the general and specialised knowledge and abilities of the candidate. The candidate will be expected to have taken an intelligent interest not only in his subjects of academic study but also in events which are happening around him both within and outside his own State or country as well as in modern currents of thought and in new discoveries which should rouse the curiosity of well-educated youth.

The technique of the interview is not that of strict cross examination, but of a natural, though directed and purposive conversation intended to reveal the candidate's mental qualities and his grasp of problems. The Board will pay special

attention to assessing the intellectual curiosity, critical powers of assimilation, balance of judgment and alertness of mind, the ability for social cohesion, integrity of character, initiative and capacity for leadership.

APPENDIX II

Brief particulars relating to the two Services to which recruitment is being made through this examination:

1. Candidates selected for appointment to either of the two Services will be appointed to Grade IV of the Service on probation for a period of two years which may be extended if necessary. During the period of probation, the candidates will be required to undergo such courses of training and instruction and to pass such examination and tests as the Government may determine.

2. If in the opinion of Government the work or conduct of the officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

3. On the expiry of the period of probation or of any extension, if the Government are of opinion that a candidate is not fit for the permanent appointment, Government may discharge him.

4. On completion of the period of probation to the satisfaction of Government, the candidate shall if considered fit for permanent appointment be confirmed in his appointment subject to the availability of substantive vacancies in permanent posts.

5. Prescribed scales of pay for both the Indian Statistical Service and the Indian Economic Service are as follows:

Selection Grade Rs. 2000—125/2—2250
(Non-functional)

Grade I—Director Rs. 1800—100—2000

Grade II—Joint Director Rs. 1500—60—1800

Grade III—Deputy Director Rs. 1100—50—1600

Grade IV—Assistant Director Rs. 700—40—900—EB—
40—1100—50—1300.

6. Promotion to the next Grade of the Service will be made in accordance with the provisions of Indian Economic Service/Indian Statistical Service Rules, as amended from time to time.

An officer belonging to the Indian Statistical Service/Indian Economic Service will be liable to serve anywhere in India or abroad under the Central Government and may be required to serve in any post including any State Government or non-governmental organisation on deputation for a specified period.

7. Conditions of service and leave and pension etc. for officers of the two Service will be governed by the rules applicable to members of other Central Civil Services Group 'A'.

8. Condition of Provident Fund are the same as laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

APPENDIX III

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

[These regulations are published for the convenience of candidates and to enable them to ascertain the probability of their being of the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners.

2. The Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth the candidates should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

3. The candidate's height will be measured as follows:—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels close buttocks and shoulders touching the standard the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows:—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulder blades, behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres 84—89, 86—93 etc. In recording the measurements, fractions of less than a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed, and his weight recorded in kilograms; fraction of half a kilogram should not be noted.

6. (a) The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

(b) There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall however be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

(c) The following standards are prescribed for distant and near vision with or without glasses:—

Distant Vision		Near Vision	
Better eye (Corrected vision)	Worse eye	Better eye (Corrected vision)	Worse eye
6/9 6/9	6/9 6/12	J-I	J-II

(d) In every case of myopia fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he should be declared unfit.

(e) *Field of Vision.*—The field of vision will be tested by the confrontation method. When such test gives unsatisfactory or doubtful result the field of vision should be determined on the perimeter.

(f) *Night Blindness.*—Broadly there are two types of night blindness. (1) as a result of Vit. A deficiency and (2) as a result of Organic Disease of Retina—a common cause being Retinitis pigmentosa in (1) the fundus is normal generally seen in younger age-group and ill-nourished persons and improves by large doses of Vit. A and (2) the fundus is often involved and mere fundus examination will reveal the condition in majority of cases. The patient in this category is an adult and may not suffer from malnutrition. Persons seeking employment for higher posts in the Government will fall in this category. For both (1) and (2) dark adaptation test will reveal the condition. For (2) specially when fundus is not involved electro-retinography is required to be done. Both these tests (dark adaptation and retinography) are time-consuming and require specialized set-up and equipment and thus are not possible as a routine test in a medical check-up. Because of these technical consideration it is for the Ministry/Department to indicate if these tests for night blindness are required to be done. This will depend upon the job requirement and nature of duties to be performed by the prospective Government employee.

(g) *Ocular condition other visual acuity.*—(i) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered a disqualification.

(ii) *Squint.*—For technical services where the presence of binocular vision is essential, squint, even if the visual acuity in each eye is of the prescribed standard should be considered a disqualification. For other services the presence of squint should not be considered as disqualification, if the visual acuity is of the prescribed standard.

(iii) *One eye.*—If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is employopic or has subnormal vision, the usual effect is that the person lacks stereoscopic vision for perception of depth. Such vision is not necessary for many civil posts. The medical board may recommend as fit such person provided the normal eye has—

(i) 6/6 distant vision and J1 near vision with or without glasses provided the error in any meridian is not more than 4 dioptres for distant vision.

(ii) has full field of vision.

(iii) normal colour vision wherever required.

Provided the board is satisfied that the, candidate can perform all the functions for the particular job in question.

(b) *Contact Lenses.*—During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye tests, the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot-candles.

7. *Blood Pressure*

The board will use its discretion regarding Blood Pressure.

A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows.—

(i) With young subjects 15-25 years of the age the average is about 100 plus the age.

(ii) With subject over 25 years of the age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 and diastolic over 90 should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement, etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electro-cardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient, and particularly his arm is relaxed he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg, and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level of the column at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate

the readings. Rechecking if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level; they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This 'Silent Gap' may cause error in reading.)

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate fit subject to the glycosuria being non-diabetic and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examinations clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed.

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist; provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid, candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard :—

- (1) Marked or total deafness in one ear other ear being a normal. Fit for non-technical jobs if the deafness upto 30 decibel in higher frequency.
- (2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibel in speech frequency of 1000 to 4000.
- (3) Perforation of tympanic membrane of central or marginal type. (i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present—Temporarily unfit.

Under improved conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4 (ii) below.

- (ii) Marginal or attic perforation in both ears—Unfit.
- (iii) Central perforation both ears—Temporarily unfit.
- (4) Ears with Mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both sides. (i) Either ear normal hearing other ear Mastoid cavity. Fit for both technical and non-technical jobs.
- (ii) Mastoid cavity of both sides—Unfit for technical jobs. Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 Decibels in either ear with or without hearing aid.
- (5) Persistently discharging ear operated/Unoperated. Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.
- (6) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum. (i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.
- (ii) If deviated nasal septum is present with symptoms—Temporarily unfit.
- (7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx. (i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or larynx—Fit.
- (ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then—Temporarily unfit.
- (8) Benign or locally malignant tumours of the ENT. (i) Benign tumours—Temporarily Unfit.
- (ii) Malignant Tumours—Unfit.
- (9) Otosclerosis. If the hearing is within 30 Decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit.
- (10) Congenital defects of ear, nose or throat. (i) If not interfering with functions—Fit.
- (ii) Stuttering of severe degree—Unfit.
- (11) Nasal Poly. Temporarily Unfit.
- (b) that his speech is without impediment;

- (c) that his teeth are in good order and that he is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound);
- (d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;
- (e) that there is no evidence of any abdominal disease;
- (f) that he is not ruptured;
- (g) that he does not suffer from hydrocele, a severe degree of varicocele, varicose veins or piles;
- (h) that his limbs hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all joints;
- (i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;
- (j) that there is no congenital malformation or defect;
- (k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;
- (l) that he bears marks of efficient vaccination; and
- (m) that he is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs, which may not be apparent by ordinary physical examination.

In case of doubt regarding health of a candidate, the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service, e.g. if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration, the Chairman of the Board may consult a Hospital Psychiatrist/Psychologist, etc.

When any defect is found it must be noted in the certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

12. The candidates filing an appeal against the decision of the Medical Board have to deposit an appeal fee of Rs. 50 in such manner as may be prescribed by the Government of India in this behalf. This fee would be refunded if the candidate is declared fit by the Appellate Medical Board. The candidates may, if they like, enclose medical certificate in support of their claim of being fit. Appeal should be submitted within 21 days of the date of the communication in which the decision of the Medical Board is communicated to the candidates, otherwise, request for second medical examination by an Appellate Medical Board will not be entertained. The medical examination by the Appellate Medical Boards would be arranged at New Delhi only and no travelling allowance or daily allowance will be admissible for the journeys performed in connection with the medical examination. Necessary action to arrange medical examination by Appellate Medical Board would be taken by the Cabinet Sectt. (Dept. of Personnel and Administrative Reforms) on receipt of appeals accompanied by the prescribed fee.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :—

The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any, of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government, or the

appointing authority, as the case may be, that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and the rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

The Board should normally consist of three members (i) a physician (ii) a Surgeon and (iii) an Ophthalmologist all of whom should as far as practicable, be of equal status. A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidates appointed to the Indian Economic Service/ Indian Statistical Service are liable for field service in or out of India. In case of such a candidate the Medical Board should specifically record their opinion as to his fitness or otherwise for field service. The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government Service, the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad-terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared "Temporarily Unit" the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum.

On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) Candidate's statement and declaration

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below :—

1. State your name in full (in block letters)
2. State your age and birth place
- (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwali, Assamese, Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower? Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes' state the name of the race
3. (a) Have you ever had smallpox, intermittent or any other fever-enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease fainting attacks, rheumatism, appendicitis

- OR
- (b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment?
4. When were you last vaccinated?
5. Have you suffered from any form of nervousness due to over work or any other cause?

Furnish the following particulars concerning your family :—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at, and cause of death
1			
2			
3			

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at, and cause of death
1			
2			
3			

7. Have you been examined by a Medical Board before?
8. If answer to above is 'Yes' please state what Service/Services, you were examined for
9. Who was the examining authority?
10. When and where was the Medical Board held?
11. Result of the Medical Board's examination. If communicated to you or if known.

I declare that all the above answers are to the best of my belief, true and correct.

Candidate's signature

Signed in my presence

Signature of the Chairman of the Board

NOTE—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to superannuation Allowance or Gratuity.

Report of the Medical Board on (name of candidate) Physical Examination

1. General development: Good..... fair.....
Poor.....

Nutrition: Thin..... Average..... Obese.....
Height (without shoes) weight

Best Weight When? any recent change in weight? Temperature

Girth of Chest :

- (1) (After full inspiration)
- (2) (After full expiration)

2. Skin: Any obvious disease

3. Eyes :

- (1) Any disease
- (2) Night blindness
- (3) Defect in colour vision
- (4) Field of vision
- (5) Visual acuity
- (6) Funds examination

Acuity of vision.	Naked eye with glasses	Strength of glasses
-------------------	------------------------	---------------------

Distant vision	R.E. L.E.
----------------	--------------

Near vision	R.E. L.E.
-------------	--------------

4. Ears: Inspection Hearing: Right Ear
Left Ear

5. Glands Thyroid

6. Condition of teeth

7. Respiratory system: Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs?

If yes, explain fully

8. Circulatory System:

(a) Heart Any organic lesion? Rate Standing After hopping 25 times

2 minutes after hopping

(b) Blood Pressure: Systolic Diastolic

9. Abdomen: Girth Tenderness
Hernia

(a) Palpable: Liver Spleen ..
Kidneys Tumours

(b) Haemorrhoids Fistula

10. Nervous System: Indication of nervous or mental disabilities

11. Loco Motor System: Any abnormality

12. Genito Urinary System: Any evidence of Hydrocele, varicocele, etc.

Urine Analysis:

(a) Physical appearance

- (b) Sp. Gr.
 (c) Albumen
 (d) Sugar
 (e) Casts
 (f) Cell
 13. Report of Screening/X-ray Examination of Chest....
 14. Is there anything in the health of the candidates likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate ?

NOTE : In case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, *vide* regulation 9.

15. (i) Has he been found qualified in all respects for the efficient and continuous discharge of his duties in the Indian Economic Service and Indian Statistical Service ?

(ii) Is the candidate fit for FIELD SERVICE ?

NOTE.—The Board should record their findings under one of the following three categories :

- (i) Fit
 (ii) Unfit on account of
 (iii) Temporarily unfit on account of

Chairman

Place
 Date

Member
Member

MINISTRY OF WATER RESOURCES

New Delhi, the 4th December 1985

RESOLUTION

No. 47(7)/82-FC(Vol. II).—In continuation of this Ministry's Resolution of even number dated the 16th August, 1985, the term of the Expert Committee to examine the possibility of the diversion of surplus flood water from the river Ganga to the river Yamuna is hereby extended from 1st November, 1985 to 31st March, 1986.

ORDER

ORDERED that this resolution be recommended to the concerned States/Union Territories, Prime Minister's Secretariat, the Private and Military Secretary to the President, Comptroller and Auditor General of India, Planning Commission and the Ministries of Shipping and Transport, Defence, Education, Finance (Dept. of Expenditure), Home Affairs, Railways, Works and Housing for information.

ORDERED that the resolution be published in the Gazette of India and the State Governments may be requested to publish in the State Gazette for general information.

S. J. THOMAS
Commissioner (RB)

